राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पताः- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेलः-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण बुधवार, 31 अगस्त 2022 वर्ष-5,अंक-214 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

इराक में जारी संकट से तनाव में भारत, कच्चे तेल की सप्लाई हो सकती हैं प्रभावित

नई दिल्ली । इराक के प्रभावशाली शिया मौलवी और नेता मुक्तदा अल-सद्र ने राजनीति छोड़ने का ऐलान कर दिया है। उनके ऐलान के बाद देश भर में हिंसा भड़क गई। शिया धर्मगुरु के सैकड़ों समर्थक राष्ट्रपति भवन पहुंच गए और विरोध कर रहे हैं। इस दौरान अल-सद्र के समर्थकों और सुरक्षा बलों के बीच हिंसक झड़प हुई है, जिसमें 20 प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई है। इसके अलावा हिंसा में अब तक 300 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। इराक में इस बवाल के बाद कई बड़े देशों की चिंता बढ़ गई है। भारत भी राजनीतिक घटनाक्रम से प्रभावित हो सकता है। गौरतलब है कि भारत सबसे ज्यादा क्रूड ऑयल इराक से आयात करता है। साथ ही इराक के साथ भारत का महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदारी भी है। इराक में फिलहाल कुल 15 से 17 हजार भारतीय समुदाय के लोग रहते हैं। हालांकि मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रम का असर अभी किसी भारतीय पर नहीं हुआ है। इसके साथ ही भारतीय समुदाय के लोगों के लिए किसी तरह की एडवाइजरी अब तक भारत सरकार द्वारा जारी नहीं की गई है। ज्यादातर भारतीय इराक के कुर्दिस्तान, बसरा, नजफ और कर्बला इलाके में हैं। भारत सहित कई देशों का अधिकांश तेल इराक से आता है, इस राजनीतिक घटनाक्रम के कारण तेल सप्लाई प्रभावित ना हो इसके लिए संकट को सुलझाने में कुछ बड़े देश लग गए हैं। इधर कुवैत ने अपने नागरिकों से इराक छोड़ने को कहा है, साथ ही नागरिकों को इराक की यात्रा टालने की हिदायत दी गई है। इसके अलावा ईरान ने भी इराक के लिए सभी उड़ानें रद्द की हैं। बता दें कि अल-सद्र के समर्थक जुलाई में प्रतिद्वंद्वियों को सरकार बनाने से रोकने के लिए संसद में घुस गए थे और चार सप्ताह से अधिक समय से धरने पर बैठे हैं।

आजाद का आव्हान, एक बेहतर जम्मू-कश्मीर के लिए मेरे साथ आइए

नई दिल्ली। 26 अगस्त को कांग्रेस का साथ छोड़ने वाले गुलाम नबी आजाद इन दिनों चर्चाओं में बने हैं। पार्टी की खामियों को वहां लगातार मीडिया के सामने रख रहे हैं। वहीं कांग्रेस समर्थकों का कहना है कि आजाद ने पार्टी का साथ तब छोड़ा है, जब जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव होने को है और वे अपना फायदा कहीं और देखते हैं। आजाद ने पोस्ट के जरिये बता दिया है कि वे जम्मू-कश्मीर को बेहतर बनाएंगे और अपने समर्थकों को कहा है कि वे निराश नहीं होने देने वाले है। आजाद ने कहा है कि, मेरे इस नए शुरुआत में जम्मू-कश्मीर के कोने-कोने से लोगों द्वारा और राजनीतिक नेतृत्व से मिल रही शुभकामनाओं को देखकर खुशी हो रही है। मैं उन्हें निराश नहीं होने दूंगा। हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध और अन्य -हम मिलकर जम्मू-कश्मीर में विकास और शांति के एक नए युग की शुरुआत करने वाले हैं। हमने काफी कुछ सहा है। हमने जो खोया है उसे फिर से बनाने के लिए हम मिलकर संघर्ष करने वाले हैं। एक बेहतर जम्मू-कश्मीर के लिए मेरे साथ आइए। उन्होंने कहा, सुबह 11 बजे, 4 सितंबर को सैनिक फार्म, सैनिक कॉलोनी जम्मू में पब्लिक मीटिंग होगी। बता दें कि आजाद कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता थे। 26 अगस्त को पार्टी से इनका इस्तीफा देना सभी को चौकाकर रख दिया था। बीते दिनों में कई नेताओं ने पार्टी से इस्तीफा दिया है और ये सिलसिला अभी तक जारी है। अभी कांग्रेस अध्यक्ष का भी चुनाव होना है, लेकिन इससे पहले पार्टी टूटती दिखाई दे रही है।

ईडब्ल्यूएस से जुड़ी याचिकाओं पर 13 सिंतबर से सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह मुसलमानों को आरक्षण देने वाले स्थानीय कानून को खारिज करने संबंधी उच्च न्यायालय के फैसले के विरोध में दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई करने से पहले आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को दाखिले तथा नौकरी में 10 प्रतिशत आरक्षण देने के केंद्र के निर्णय की संवैधानिक वैधता की जांच करेगा। प्रधान न्यायाधीश उदय उमेश ललित, न्यायमूर्ति दिनेश महेश्वरी, न्यायमूर्ति रविंद्र भट्ट, न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला की पांच सदस्यीय संवैधानिक पीठ ने कहा कि वह प्रक्रियागत पहलुओं तथा अन्य ब्यौरों पर छह सितंबर को निर्णय लेकर 13 सितंबर से याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। केन्द्र ने 103वें संविधान संशोधन अधिनियम 2019 के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए दाखिलों तथा लोक सेवाओं में आरक्षण का प्रावधान जोड़ा था। शीर्ष अदालत आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली राज्य सरकार की याचिकाओं और अन्य याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। आंध्रप्रदेश उच्च न्यायालय ने मुसलमानों को आरक्षण देने वाले एक स्थानीय कानून को खारिज कर दिया था।

मुंबई- लालबाग के राजा के पहले लुक का अनावरण,

12 फीट की विशाल मूर्ति श्रद्धालुओं को करेगी आकर्षित

मुंबई । (एजेंसी)

रिद्धि-सिद्धि के देवता प्रथम पूज्य गणेश जी की स्थापना की तैयारी देशभर में हो रही है। बीते दो वर्षो से कोरोना महामारी के कारण गणेशोत्सव की रौनक फीकी थी लेकिन इस साल लाल बाग के राजा सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडल इस त्योहार को पारंपरिक त्योहार को मनाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। मंडल की ओर से सोमवार को इस साल की मूर्ति के पहले लुक का अनावरण किया गया। इस साल, लालबागचा राजा एक बार फिर 12 फीट की विशाल मूर्ति के साथ सिंहासन पर अपनी शाही मुद्रा में बैठे नजर आ रहे हैं।

मालूम हो कि लालबाग के राजा की पूजा अर्चना करने के लिए हर साल लाखों श्रद्धालु लालबाग में आते हैं। यहां की मूर्ति हर साल चर्चा में रहती है जिनके दर्शन करने काफी अधिक संख्या में लोग दूर-दूर से आते हैं। 10 दिवसीय उत्सव 31 अगस्त से शुरू होगा। इस साल उनकी थीम अयोध्या राम मंदिर रखा गया है। जाने-माने कला निर्देशक नितिन चंद्रकांत देसाई ने पंडाल की साज-सज्जा को आकार दिया है। लालबागचा राजा सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडल ने इस वर्ष भव्य उत्सव समारोह के लिए विस्तृत व्यवस्था की है। तैयारियों के बारे में बोलते हुए, मंडल के अध्यक्ष बाला कांबले ने कहाः हम यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी को लालबागचा राजा के दर्शन आराम से हो सके। मंडल ने दर्शन के लिए आने वाले लोगों के लिए बड़े-बड़े मंडप बनाए हैं। हमने महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और बच्चों के बैठने की व्यवस्था की है। आगंतुकों के लिए 24 घंटे पानी उपलब्ध है और हम समय-समय पर चाय और बिस्कुट भी परोसते हैं।

सुरक्षा व्यवस्था पर भी काफी ध्यान दिया गया है। 250 सीसीटीवी कैमरे और मेटल डिटेक्टर लगाए गए हैं। निजी सुरक्षा एजेंसी को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई है। बाला कांबले ने कहा, कोरोना की वजह से दो साल तक मौन उत्सव के बाद, मंडल को इस साल अधिक भक्तों की उम्मीद है। 'हम उम्मीद कर रहे हैं कि इस साल और अधिक संखे या में लोग पंडाल में आएंगे।' 1934 में स्थापित, लालबागचा राजा सार्वजनिक मंडल इस साल 89 साल पूरे कर रहा है और इस साल और अधिक आगंतुकों की उम्मीद कर रहा है क्योंकि राज्य सरकार ने कोविड प्रतिबंध हटा लिया है। 'बिना किसी प्रतिबंध के, उत्सव वैसे ही होंगे जैसे वे महामारी से पहले करते थे। हमें इस साल भी भारी संख्या में आने की उम्मीद है। इसे ध्यान में रखते हुए हमने पहले ही खुद को तैयार कर लिया है।'

बाबरी विध्वंस और गुजरात दंगों से जुड़े कई मामलों को सुप्रीम कोर्ट ने किया बंद

नई दिल्ली । (एजेंसी)

सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला लेते हुए बाबरी मस्जिद विध्वंस और गुजरात दंगों से जुड़े मामलों को बंद करने का आदेश दिया है। अदालत ने कहा कि गुजरात दंगों को लेकर दायर कई याचिकाओं का अब कोई अर्थ नहीं है। ऐसे में उन पर कार्यवाही को बंद किया जा रहा है। अदालत ने कहा कि गुजरात दंगों के 9 में से 8 मामलों में ट्रायल पूरा हो चुका है। इसके अलावा कोर्ट ने बाबरी मस्जिद विध्वंस से जुड़े अवमानना के मामले को भी बंद करने का आदेश दिया है।दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने बाबरी मस्जिद विध्वंस मामले में अधिवक्ता प्रशांत भूषण और पत्रकार तरुण तेजपाल के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही को बंद करने का आदेश दिया है। दोनों ने ही इस मामले में माफी मांग ली है। दरअसल प्रशांत भूषण ने 2009 में एक इंटरव्यू में पूर्व और मौजूदा जजों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। इस मामले में पैरवी करते हुए कपिल सिब्बल ने कहा कि प्रशांत भूषण और तरुण तेजपाल ने माफी मांग ली है। इसलिए दोनों के खिलाफ केस को बंद किया जा सकता है। उनकी इस मांग को जस्टिस इंदिरा बनर्जी, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एम.एम सुंदरेश की बेंच ने स्वीकार कर लिया। प्रशांत भूषण और तरुण तेजपाल को नवंबर 2009 में नोटिस जारी किए गए थे। प्रशांत भूषण ने इस पर सफाई देते हुए कहा था, 'मैंने तहलका को 2009 में जो इंटरव्यू में दिया था, उसमें करप्शन शब्द का इस्तेमाल किसी विशेष चीज के लिए नहीं किया था। यह बात मैंने व्यापक संदर्भ में कही थी। इसका संबंध वित्तीय भ्रष्टाचार से नहीं है। यदि किसी जज या फिर उनके परिवार को इससे दुख पहुंचा हो तो मैं इसके लिए माफी मांगता हूं।' प्रशांत भूषण ने अगस्त 2020 में अपने बयान पर माफी मांग ली थी।

सोनिया और राहुल गांधी ने दिल्ली हाईकोर्ट में दाखिल किया हलफनामा

नई दिल्ली। (एजेंसी)

दिल्ली दंगों के दौरान भड़काऊ बयान के मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने दिल्ली हाईकोर्ट में हलफनामा दायर किया है। दिल्ली हाईकोर्ट में दाखिल हलफनामे में सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने कहा है कि उनको बेवजह टारगेट किया जा रहा है। दिल्ली हाईकोर्ट में दाखिल हलफनामे में सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने कहा कि पब्लिस्टी इंट्रेस्ट लिटिगेशन है। हलफनामे में याचिका का विरोध करते हुए कहा गया है कि उन्होंने ऐसा कोई बयान नहीं दिया था। सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने अपने हलफनामे में यह भी कहा है कि इस मामले उनके खिलाफ जो एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है, उसे खारिज किया जाए। दरअसल उत्तर-पूर्वी दिल्ली में फरवरी, 2020 में हुए दंगों से जुड़ी विभिन्न याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। इस मामले में हाई कोर्ट में दो याचिकाएं दाखिल की गई हैं। दोनों याचिकाओं में भड़काऊ भाषण देने वाले राज नेताओ के खिलाफ कार्रवाई का अनुरोध किया गया है। शेख मुजतबा फारूक की ओर से दायर याचिका में भाजपा नेताओं अनुराग ठाकुर, कपिल मिश्रा, परवेश वर्मा और अभय वर्मा के खिलाफ कथित घृणा भाषण को लेकर प्राथमिकी दर्ज करने का अनुरोध किया गया है। दूसरी अर्जी 'लॉयर्स वॉइस' द्वारा दी गई है जिसमें कथित घृणा भाषण के लिए कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के साथ-साथ दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्ला खान, एआईएमआईएम नेता अकबरूद्दीन ओवैसी, एआईएमआईएम के पूर्व विधायक वारिस पठान, महमूद प्राचा, हर्ष मंदर, मुफ्ती मोहम्मद इस्माइल, अभिनेत्री स्वरा भास्कर, उमर खालिद के खिलाफ करवाई करने की मांग की गई है। फिलहाल, मामला कोर्ट में विचाराधीन है।

राहुल पीछे हटे तो कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ सकते हैं शशि थरूर

नई दिल्ली । कांग्रेस सूत्रों के अनुसार राहुल गांधी के पीछे हटने की स्थिति में पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए 17 अक्टूबर को चुनाव लड़ सकते हैं। कांग्रेस ने इस संभावना पर कहा कि चुनाव कार्यक्रम घोषित हो चुका है और कांग्रेस का संविधान भी मौजूद है, ऐसे में वह जो उचित समझें कर सकते हैं। पार्टी प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस में चुनाव होता है, लेकिन भाजपा को बताना चाहिए कि किस चुनाव के जरिए जेपी नड्डा पार्टी के अध्यक्ष बनाए गए हैं? सूत्रों के अनुसार थरूर कांग्रेस के अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने की संभावना तलाश रहे हैं। हालांकि, अभी उन्होंने इस पर अंतिम फैसला नहीं लिया है। इस बारे में पूछे जाने पर वल्लभ ने कहा हम ऐसी किसी बात से अवगत नहीं हैं, लेकिन मैं समझता हूं कि हमने चुनाव कार्यक्रम घोषित कर दिया है। पूरी तिथियों का इसमें उल्लेख है। अगर कोई चुनाव लड़ना चाहता है तो तिथियां मौजूद हैं। कांग्रेस का संविधान है, जो आप उचित समझते हैं वह कीजिए। कांग्रेस की ओर से घोषित चुनाव कार्यक्रम के अनुसार, 22 सितंबर को पार्टी अध्यक्ष पद के चुनाव की अधिसूचना जारी होगी, 24 सितंबर से नामांकन दाखिल किए जा सकते हैं और यदि एक से अधिक उम्मीदवार हुए तो 17 अक्टूबर को मतदान होगा। वल्लभ ने भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा हमारे यहां तो ऐसा नहीं है कि 'डेढ़ लोग' नियुक्ति करें। भाजपा में चुनाव कब हुए थे? नड्डा जी ने कौन सा चुनाव लड़ा था? नितिन गडकरी और राजनाथ सिंह ने कौन से चुनाव लड़ा था? कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है कि वह इस मुकाबले में शामिल होंगे या नहीं।

राज्यसभा की सीट जाने के बाद गुलाम नबी आजाद को हुआ दिव्य ज्ञानः कांग्रेस

नई दिल्ली ।

कांग्रेस ने गुलाम नबी आजाद द्वारा पार्टी और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधने के बाद फिर उन पर पलटवार कर कहा कि राज्यसभा की सीट पर संकट आने के बाद ही उन्हें उस दिव्य ज्ञान की प्राप्ति हुई जो अब दे रहे हैं। पार्टी प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने जम्मू-कश्मीर में आजाद के समर्थन में कई नेताओं के पार्टी छोड़ने को ज्यादा तवज्जों नहीं देने की कोशिश कर कहा कि इस केंद्रशासित प्रदेश में पार्टी मौजूद है और लोगों के मुद्दे उठा रही है। उन्होंने आजाद पर प्रहार कर कहा, जो पार्टी से इस्तीफा देते हैं, पांच पन्नों के पत्र लिखते हैं, अंग्रेजी ऐसी लिखते हैं जैसे किसी अंग्रेज ने लिखा हो, उनसे यह सवाल यह है कि आपको 2021 से पहले यह दिव्य ज्ञान क्यों नहीं आया?'' वल्लभ ने कहा, 2021 से पहले आपकी सीट और आपका बांग्ला सुरक्षित था। जब सीट पर संकट आया, तब दिव्य ज्ञान मिला। वल्लभ ने कहा कि चाहे ये लोग कुछ भी कर लें, लेकिन चार सितंबर को रामलीला मैदान में महंगाई के खिलाफ ऐतिहासिक रैली होगी और सात सितंबर से कन्याकुमारी से 'भारत जोड़ो' यात्रा होगी। वल्लभ ने कहा, ''आजाद साहब को यह सूचित करना चाहते हैं कि राहुल गांधी 4 सितंबर को रामलीला मैदान में रैली कर रहे हैं। सात सितंबर से भारत जोड़ो यात्रा शुरू करने वाले हैं। 150 दिनों तक राहुल गांधी देश के मुद्दों को उठाने और देश को जोड़ने का काम करने वाले हैं। उन्होंने दावा भी किया कि इस तरह के आरोप इसलिए लगाए जा रहे हैं, ताकि कांग्रेस नरेंद्र मोदी सरकार से जनता के मुद्दों पर सवाल नहीं पूछ सके। उल्लेखनीय है कि राज्यसभा में पूर्व नेता प्रतिपक्ष गुलाम नबी आजाद का राज्यसभा कार्यकाल फरवरी, 2021 में पूरा हुआ था, जिसके बाद पार्टी ने उन्हें उच्च सदन में नहीं भेजा। कांग्रेस के पूर्व नेता गुलाम नबी आजाद ने शुक्रवार को पार्टी से नाता तोड़ लिया था। उन्होंने अपने पुराने दल और उसके नेतृत्व पर तीखा प्रहार करते हुए कहा था कि 'बीमार' कांग्रेस को दुआ की नहीं, दवा की जरूरत है, लेकिन उसका इलाज 'कम्पाउंडर कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले होने के कांग्रेस के आरोपों पर उन्होंने राहुल गांधी का नाम लिए बगैर उन्हें निशाने पर लेकर सवाल पूछा था कि जो संसद में भाषण देने के बाद प्रधानमंत्री से गले मिले, वह मोदी के साथ मिले या नहीं?

वैष्णो देवी तीर्थयात्रियों के लिए शुरू हुआ आरआईएफडी यात्रा कार्ड मुसीबतों में यूं देगा साथ

नई दिल्ली । (एजेंसी)

वैष्णो देवी तीर्थयात्रियों को अब मुश्किल के वक्त में मदद आसानी से मिल सकेगी। दरअसल श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने वैष्णो देवी तीर्थयात्रियों के लिए आरआईएफडी सुसज्जित यात्रा कार्ड पेश किए हैं। 29 स्थानों सुसज्जित आरआईएफडी यात्रा कार्ड सिस्टम शुरू किया गया है और विभिन्न एंटेना और रीडर्स लगाए गए हैं। आरआईएफडी सिस्टम से पहले, तीर्थयात्रा के लिए यात्रा पर्ची सिस्टम था जो ऑनलाइन और काउंटर पर उपलब्ध था। इस नए प्रोजेक्ट के तहत 40 नए स्थानों और 7 वेरिफिकेशन काउंटरों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। एक नया कंट्रोल सेंटर भी स्थापित किया गया है। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के सीईओ अंशुल गर्ग ने कहा, 'आरआईएफडी सिस्टम के साथ हम तीर्थयात्रियों को ट्रैक करने और यात्रा की निगरानी करने में सक्षम होंगे। माननीय सर्वोच्च न्यायालय का आदेश है कि पीक दिनों में भी तीर्थयात्रियों की सीमा 50000 तक ही रखी जाए। ऐसे में हम इस नए सिस्टम द्वारा, उन सभी यात्रियों पर नजर रख सकते हैं। इससे हमें यात्रा को सुविधाजनक करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा यह (वैष्णो देवी यात्रा) एक भूकंप और भूस्खलन संभावित क्षेत्र है। नई तकनीक हमारी आपदा प्रबंधन टीम की मदद करेगी। इसके अलावा, अक्सर लोगों के खो जाने की भी समस्याएं हैं। इस तकनीक से हम तीर्थयात्रियों को ट्रैक कर सकते हैं। हम निगरानी कर सकते हैं कि तीर्थयात्री किस ट्रैक पर जा रहे हैं। इसके अलावा जरूरत के समय हेलीकॉप्टर सेवाओं की सहायता भी कर सकते हैं और उसी हिसाब से तीर्थयात्रा को मैनेज कर सकते हैं।' वैष्णो देवी तीर्थ यात्रा पर गए लोगों ने कहा, वे नए सिस्टम से बहुत खुश हैं और इससे यात्रा को सुचारू रूप से चलाने में मदद मिलेगी।

एलएसी के पास भारत और अमेरिकी सेना करेगी संयुक्त सैन्य अभ्यास, चीन हो रहा लाल-पीला

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

भारत और अमेरिकी सेना इस साल अक्टूबर में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के करीब एक संयुक्त सैन्य अभ्यास करने वाले हैं। इस अभ्यास की खबर से ही चीन को मिर्ची लग गई है। उत्तराखंड के औली में होने वाले अभ्यास में दोनों देशों की सेनाएं अत्याधुनिक हथियारों के साथ युद्धाभ्यास करेंगी। गौरतलब है कि भारत और चीन के बीच रिश्ते पिछले दो साल से खराब चल रहे हैं। उधर, ताइवन से उलझे चीन के इस अभ्यास से मिर्ची लगनी शुरू हो गई है। चीन इसका विरोध भी कर रहा है। 10 हजार फीट की ऊंचाई पर होने वाला युद्धाभ्यास का इलाका एलएसी से महज 95 किलोमीटर दूर है। ताइवान के साथ तनातनी में उलझा चीन खबर के बाद से भड़का हुआ है। लेकिन अमेरिका ने कहा कि हिंद-प्रशांत इलाके में दोनों देशों की एक समान नीति है। हम उसे आगे बढ़ा रहे हैं। वार्षिक संयुक्त युद्धाभ्यास का यह 18वां सत्र है। अमेरिकी प्रवक्ता ने कहा कि इस तरह के वार्षिक युद्धाभ्यास के जरिए हम अपनी क्षमता को आंकते और बढ़ाते हैं। ताकि क्षेत्रीय चुनौतियों से निपटा जा सके। गलवान घटना के बाद भारत और चीन के बीच तनातनी अभी तक जारी है। एलएसी पर दोनों देशों की सेनाएं बड़ी संख्या में तैनात हैं। भारत चीन की चालाकियों को देखते हुए अब उस कोई मौका नहीं देना चाहता है। दरअसल, चीन के नापाक इरादों के कारण भारत बिल्कुल सतर्क है। भारत का साफ कहना है, कि 2020 में चीन ने यथास्थिति को बदलने की कोशिश की थी। चीन अक्टूबर में होने वाले अभ्यास को लेकर अभी से भड़का हुआ है। लेकिन भारत ने पड़ोसी देश को दो टूक कह दिया है कि यह एक वार्षिक अभ्यास है।

भारत-चीन संबंधों में आगे की दिशा तय करेगी सीमा की स्थिति : जयशंकर

नई दिल्ली । (एजेंसी)

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि पारस्परिक संबंध संवेदनशीलता, पारस्परिक सम्मान और द्विपक्षीय हितों पर आधारित होने चाहिए। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि 'सीमा की स्थिति' भारत और चीन के बीच आगे के संबंधों की दिशा तय करेगी। पूर्वी लद्दाख में टकराव वाले कई बिंदुओं पर दोनों देशों में जारी सैन्य गतिरोध के बीच विदेश मंत्री की यह टिप्पणी की है। 'एशिया सोसायटी पॉलिसी इंस्टीट्यूट' की शुरूआत के अवसर पर एक समरोह को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि एशिया का भविष्य काफी हद तक इस बात पर निर्भर करता है कि निकट भविष्य में भारत और चीन के बीच संबंध कैसे रहते हैं। उन्होंने कहा सकारात्मक पथ पर लौटने और टिकाऊ बने रहने के लिए संबंधों को तीन चीजों पर आधारित होना चाहिए- पारस्परिक संवेदनशीलता, पारस्परिक सम्मान और पारस्परिक हित। विदेश मंत्री ने कहा उनकी वर्तमान स्थिति, निश्चित रूप से आप सभी को अच्छी तरह से पता है। मैं केवल यह दोहरा सकता हूं कि सीमा की स्थिति आगे संबंधों को तय करेगी। भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच पूर्वी लद्दाख में दो साल से ज्यादा समय से टकराव वाले कई स्थानों पर गतिरोध बना हुआ है। उच्च स्तरीय सैन्य वार्ता के परिणामस्वरूप दोनों पक्ष क्षेत्र के कई क्षेत्रों से पीछे हटे हैं। हालांकि, दोनों पक्षों को टकराव वाले शेष बिंदुओं पर जारी गतिरोध को दूर करने में कोई सफलता नहीं मिली है। उच्च स्तरीय सैन्य वार्ता का अंतिम दौर पिछले महीने हुआ था लेकिन गतिरोध दूर करने में कामयाबी नहीं मिली। एशिया के लिए समग्र दृष्टिकोण पर जयशंकर ने कहा कि एक 'एशियाई वर्चस्ववाद' का संकीर्ण नजरिया दरअसल महाद्वीप के अपने हित के खिलाफ है। उन्होंने कहा निश्चित रूप से एशिया इतना ऊर्जावान और रचनात्मक है कि वह अन्य क्षेत्रों के खुले दरवाजों से लाभ उठाना चाहेगा। यह स्पष्ट रूप से एकतरफा रास्ता नहीं हो सकता है। विदेश मंत्री चीन की नीतियों का परोक्ष रूप से हवाला देते हुए कहा ऐसा दृष्टिकोण वैश्वीकरण की भावना के खिलाफ भी है। चाहे वह संसाधन, बाजार या आपूर्ति श्रृंखला हो, इन्हें अब विभाजित नहीं किया जा सकता है। जयशंकर ने यह भी कहा एशिया की संभावनाएं और चुनौतियां आज काफी हद तक हिंद-प्रशांत क्षेत्र के विकास पर निर्भर हैं। वास्तव में, अवधारणा ही विभाजित एशिया का प्रतिबिंब है, क्योंकि कुछ का इस क्षेत्र को कम एकजुट और संवादात्मक बनाए रखने में निहित स्वार्थ है। उन्होंने कहा वैश्विक हितों के लिए और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को क्वाड जैसे सहयोगी प्रयासों से बेहतर सेवा मिलती है, जाहिर तौर पर जिसके प्रति उनका उदासीन रूख है। क्वाड में भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान शामिल हैं। चीन इस समूह को लगातार संदेह की नजर से देखता है और कई बार इसके खिलाफ मुखर टिप्पणी कर चुका है।

संपादकीय

मोदी ने पाकिस्तान के लोगों की तकलीफ के बारे में जैसी भावभीनी प्रतिक्रिया की है, वह सचमुच बड़ी मार्मिक थी। पाकिस्तान के कई नेताओं, पत्रकारों और समाजसेवियों ने मोदी के उस बयान की सराहना की है लेकिन पाकिस्तान की सरकार या उसके दिल्ली स्थित दूतावास ने अभी तक कोई इशारा भी नहीं किया है कि यदि भारत मदद की पेशकश करेगा तो वे उसे सहर्ष स्वीकार करेंगे।

पाकिस्तानः मोदी खुद पहल करें

(लेखक-डॉ वेदप्रताप वैदिक)

कल सुबह जैसे ही मैंने लिखा कि वर्तमान संकट में पाकिस्तान की मदद के लिए भारत को पहल करनी चाहिए, शाम तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बयान आ गया। मोदी ने पाकिस्तान के लोगों की तकलीफ के बारे में जैसी भावभीनी प्रतिक्रिया की है, वह सचमुच बड़ी मार्मिक थी। पाकिस्तान के कई नेताओं, पत्रकारों और समाजसेवियों ने मोदी के उस बयान की सराहना की है लेकिन पाकिस्तान की सरकार या उसके दिल्ली स्थित दूतावास ने अभी तक कोई इशारा भी नहीं किया है कि यदि भारत मदद की पेशकश करेगा तो वे उसे सहर्ष स्वीकार करेंगे। दुर्भाग्य है कि दोनों देशों के फौजी और राजनीतिक रिश्ते ऐसे विकट रहे हैं कि इस भयानक विभीषिका के दौरान भी वे एक-दूसरे से खुलकर बात नहीं करते हैं। पाकिस्तान के कुछ उच्चस्तरीय और नामी-गिरामी नेताओं ने बातचीत में मुझसे कहा है कि यदि मोदी सरकार खुद मदद की पहल करेगी तो शाहबाज सरकार को उसे स्वीकार करने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। हो सकता है कि शाहबाज़ सरकार के विरोधी उसके खिलाफ अभियान चला दें। उनकी राय थी कि कुछ गैर-सरकारी भारतीय संगठन मदद के लिए आगे आ जाएं तो बहुत अच्छा होगा। यों भी प्रधानमंत्री शाहबाज़ शरीफ और पाकिस्तानी सेनापति जनरल कमर जावेद बाजवा भारत के प्रति पिछले दिनों नरमी का रूख अपनाते हुए लग रहे थे। वे भारत से बातचीत शुरु करने की संभावनाएं तलाश रहे थे। अभी-अभी पाकिस्तान के वित्तमंत्री मिफ्ता इस्माइल ने कहा है कि बाढ़ की वजह से हमारी फसलें नष्ट हो गई हैं। अब हमें भारत से सब्जियां और अनाज तुरंत आयात करने होंगे। पिछले तीन साल से भारत-पाक व्यापार भी ठप्प पड़ा हुआ है। चीन के साथ गलवान घाटी में खूनी मुठभेड़ हुई है लेकिन इस बीच भारत-चीन व्यापार में अपूर्व बढ़ोतरी हुई है। पाकिस्तान के व्यापारी तो व्यापार के दरवाजे खुलवाना चाहते हैं लेकिन नेताओं और जनरलों को कौन समझाए? पाकिस्तानी फौज और पार्टियों में भी दो अलग-अलग राय वाले धड़े बन गए हैं। इस समय शाहबाज शरीफ और विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो यदि भारत से रिश्ते सुधारने की पहल करें तो इमरान खान भी उसका विरोध नहीं करेंगे। इमरान तो भारत से संबंध सुधारने की बात कई बार कह चुके हैं। जहां तक धारा 370 और 35 ए को खत्म करने की बात है, पाकिस्तान ने उसका डटकर विरोध किया है लेकिन पिछले 3 साल में अब उसकी समझ में यह आ गया है कि इस बारे में अब कुछ नहीं किया जा सकता। यदि मोदी स्वयं भी शाहबाज को फोन करके मदद भिजवाने के लिए कह दें तो उनका कुछ बिगड़नेवाला नहीं है। यदि शाहबाज या कोई नेता उसका विरोध करेगा तो उसकी छवि पाकिस्तान की जनता के दिल में खराब ही होगी। यदि तालिबान की सरकारवाले अफगानिस्तान को भारत मदद भिजवा सकता है तो शाहबाज शरीफ के पाकिस्तान को मदद भिजवाने में मोदी को झिझक क्यों होनी चाहिए? इस समय नेपाल, श्रीलंका और अफगानिस्तान को मदद भिजवाकर भारत ने जो पुण्य कमाया है, उससे भी बड़ा मानव-सेवा का पुण्य पाकिस्तान की विपदग्रस्त जनता की सेवा से मिलगा।

कार्टून

राष्ट्रीयता कि भावना जगाता गणेशोत्सव

(लेखक-रमेश सर्राफ धमोरा)

(31 अगस्त गणेश चतुर्थी पर विशेष)

भगवान शिव व माता पार्वती के पुत्र गणेश को विघ्नहर्ता भी कहा जाता है। मान्यता है कि मनुष्य जब भी किसी संकट में फंसता है और सच्चे मन से भगवान गणेश को याद करता है तो उसका संकट टल जाता है। गणेश शब्द का अर्थ होता है जो समस्त जीव जाति के ईश अर्थात् स्वामी हो। गणेश जी को विनायक भी कहते हैं। विनायक शब्द का अर्थ है विशिष्ट नायक। वैदिक मत में सभी कार्य के आरम्भ जिस देवता का पूजन से होता है वही विनायक है। गणेश चतुर्थी के पर्व का आध्यात्मिक एवं धार्मिक महत्व है। मान्यता है कि भगवान गणेश विघ्नो के नाश करने और मंगलमय वातावरण बनाने वाले हैं।

भारत पर्व-उत्सवों का देश है और गणेश चतुर्थी उन्हीं उत्सव में से एक है। गणेशोत्सव को 10 दिनों तक बड़े धूम-धाम से मनाया जाता है। इस त्योहार को गणेशोत्सव या विनायक चतुर्थी भी कहा जाता है। पूरे भारत में भगवान गणेश के जन्मदिन के इस उत्सव को उनके भक्त बहुत उत्साह के साथ मनाते हैं। भगवान गणेश को बुद्धि का देवता माना जाता है। हिंदू धर्म में किसी भी नए काम को प्रारंभ करने से पहले भगवान गणेश की पूजा की जाती है। माना जाता है कि भगवान गणेश की पूजा करने के बाद प्रारंभ होने वाला कार्य हर हाल में पूरा होगा। भगवान शिव व माता पार्वती के पुत्र गणेश को विघ्नहर्ता भी कहा जाता है। मान्यता है कि मनुष्य जब भी किसी संकट में फंसता है और सच्चे मन से भगवान गणेश को याद करता है तो उसका संकट टल जाता है। गणेश शब्द का अर्थ होता है जो समस्त जीव जाति के ईश अर्थात् स्वामी हो। गणेश जी को विनायक भी कहते हैं। विनायक शब्द का अर्थ है विशिष्ट नायक। वैदिक मत में सभी कार्य के आरम्भ जिस देवता का पूजन से होता है वही विनायक है। गणेश चतुर्थी के पर्व का आध्यात्मिक एवं धार्मिक महत्त्व है। मान्यता है कि भगवान गणेश विघ्नो के नाश करने और मंगलमय वातावरण बनाने वाले हैं।

गणेश चतुर्थी का त्योहार महाराष्ट्र, गोवा, तेलंगाना, केरल और तमिलनाडु सहित पूरे भारत में काफी जोश के साथ मनाया जाता है। किन्तु महाराष्ट्र में विशेष रूप से मनाया जाता है। पुराणों के अनुसार इसी दिन भगवान गणेश का जन्म हुआ था। गणेश चतुर्थी पर भगवान गणेशजी की पूजा की जाती है। कई प्रमुख जगहों पर भगवान गणेश की बड़ी-बड़ी प्रतिमायें स्थापित की जाती है। इन प्रतिमाओं का नो दिन तक पूजन किया जाता है। बड़ी संख्या में लोग गणेश प्रतिमाओं का दर्शन करने पहुंचते है। नो दिन बाद गणेश प्रतिमाओं को समुद्र, नदी, तालाब में विसर्जित किया जाता है। गणेश चतुर्थी का त्योहार आने से दो-तीन महीने पहले ही कारीगर भगवान गणेश की मिट्टी की मूर्तियां बनाना शुरू कर देते हैं। गणेशोत्सव के दौरान बाजारों में भगवान गणेश की अलग-अलग मुद्रा में बेहद ही सुंदर मूर्तियां मिल जाती है। गणेश चतुर्थी वाले दिन लोग इन मूर्तियों को अपने घर लाते हैं। कई जगहों पर 10 दिनों तक पंडाल सजे हुए दिखाई देते हैं जहां गणेश जी की मूर्ति स्थापित होती हैं। प्रत्येक पंडाल में एक पुजारी होता है जो इस दौरान चार विधियों के साथ पूजा करते हैं। सबसे पहले मूर्ति स्थापना करने से पहले प्राणप्रतिष्ठा की जाती है। उन्हें कई तरह की मिठाईयां प्रसाद में चढ़ाई जाती हैं। गणेश जी को मोदक काफी पंसद थे। जिन्हें चावल के आटे, गुड़ और नारियल से बनाया जाता है। इस पूजा में गणपति को लड्डूओं का भोग लगाया जाता है। इस त्योहार के साथ कई कहानियां भी जुड़ी हुई हैं जिनमें से उनके माता-पिता माता पार्वती और भगवान शिव के साथ जुड़ी कहानी सबसे ज्यादा प्रचलित है। शिवपुराण में रुद्रसंहिता के चतुर्थ खण्ड में वर्णन है कि माता पार्वती ने स्नान करने से पूर्व अपने मैल से एक बालक को उत्पन्न करके उसे अपना द्वारपाल बना दिया था। भगवान शिव ने जब भवन में प्रवेश करना चाहा तब बालक ने उन्हें रोक दिया। इस पर भगवान शंकर ने क्रोधित होकर अपने त्रिशूल से उस बालक का सिर काट दिया। इससे पार्वती नाराज हो उठीं। भयभीत देवताओं ने देवर्षि नारद की सलाह पर जगदम्बा की स्तुति करके उन्हें शांत किया। भगवान शिवजी के निर्देश पर विष्णुजी उत्तर दिशा में सबसे पहले मिले जीव (हाथी) का सिर काटकर ले आए। मृत्युंजय रुद्र ने गज के उस मस्तक को बालक के धड़ पर रखकर उसे पुनर्जीवित कर दिया। माता पार्वती ने हर्षातिरेक से उस गजमुख बालक को अपने हृदय से लगा लिया। ब्रह्मा, विष्णु, महेश ने उस बालक को सर्वाध्यक्ष घोषित करके अग्र पूज्य होने का वरदान दिया। देश की आजादी के आन्दोलन में गणेश उत्सव ने बहुत महत्वपूण भूमिका निभायी थी। 1894 मे अंग्रेजो ने भारत मे एक कानून बना दिया था जिसे धारा 144 कहते हैं जो आजादी के इतने वर्षों बाद आज भी लागू है। इस कानून मे किसी भी स्थान पर 5 से अधिक व्यक्ति इकट्ठे नहीं हो सकते थे। और ना ही समूह बनाकर कहीं प्रदर्शन कर सकते थे। महान क्रांतिकारी बंकिम चंद्र चटर्जी ने 1882 मे वन्देमातरम नामक एक गीत लिखा था। जिस पर भी अंग्रेजों ने प्रतिबंध लगा कर गीत गाने वालों को जेल मे डालने का फरमान जारी कर दिया था। इन दोनों बातों से लोगो मे अंग्रेजो के प्रति बहुत नाराजगी व्याप्त हो गयी थी। लोगो मे अंग्रेजो के प्रति भय को खत्म करने और इस कानून का विरोध करने के लिए महान स्वतंत्रता सेनानी लोकमान्य तिलक ने गणपति उत्सव की स्थापना की और सबसे पहले पुणे के शनिवारवाड़ा मे गणपति उत्सव का आयोजन किया गया। 1894 से पहले लोग अपने अपने घरो मे गणपति उत्सव मनाते थे। लेकिन 1894 के बाद इसे सामूहिक तौर पर मनाने लगे। पुणे के शनिवारवडा के गणपति उत्सव मे हजारो लोगो की भीड़ उमड़ी। लोकमान्य तिलक ने अंग्रेजो को चेतावनी दी कि हम गणपति उत्सव मनाएगे अंग्रेज पुलिस उन्हे गिरफ्तार करके दिखाये। कानून के मुताबिक अंग्रेज पुलिस किसी राजनीतिक कार्यक्रम मे एकत्रित भीड़ को ही गिरफ्तार कर सकती थी। लेकिन किसी धार्मिक समारोह मे उमड़ी भीड़ को नहीं। 20 अक्तूबर 1894 से 30 अक्तूबर 1894 तक पहली बार 10 दिनो तक पुणे के शनिवारवाड़ा मे गणपति उत्सव मनाया गया। लोक मान्य तिलक वहां भाषण के लिए हर दिन किसी बड़े नेता को आमंत्रित करते। 1895 मे पुणे के शनिवारवाड़ा मे 11 गणपति स्थापित किए गए। उसके अगले साल 31 और अगले साल ये संख्या 100 को पार कर गई। फिर धीरे -धीरे महाराष्ट्र के अन्य बड़े शहरो अहमदनगर, मुंबई, नागपुर, थाणे तक गणपति उत्सव फैलता गया। गणपति उत्सव में हर वर्ष हजारो लोग एकत्रित होते और बड़े नेता उसको राष्ट्रीयता का रंग देने का कार्य करते थे। इस तरह लोगो का गणपति उत्सव के प्रति उत्साह बढ़ता गया और राष्ट्र के प्रति चेतना बढ़ती गई। 1904 में लोकमान्य तिलक ने लोगो से कहा कि गणपति उत्सव का मुख्य उद्देश्य स्वराज्य हासिल करना है। आजादी हासिल करना है और अंग्रेजो को भारत से भगाना है। आजादी के बिना गणेश उत्सव का कोई महत्व नहीं रहेगा। तब पहली बार लोगो ने लोकमान्य तिलक के इस उद्देश्य को बहुत गंभीरता से समझा। आजादी के आन्दोलन में लोकमान्य तिलक द्वारा गणेश उत्सव को लोकोत्सव बनाने के पीछे सामाजिक क्रान्ति का उद्देश्य था। लोकमान्य तिलक ने ब्राह्मणों और गैर ब्राह्मणों की दूरी समाप्त करने के लिए यह पर्व प्रारम्भ किया था जो आगे चलकर एकता की मिसाल बना। जिस उद्देश्य को लेकर लोकमान्य तिलक ने गणेश उत्सव को प्रारम्भ करवाया था वो उद्देश्य आज कितने सार्थक हो रहें हैं। आज के समय में पूरे देश में पहले से कहीं अधिक धूमधाम के साथ गणेशोत्सव मनाये जाते हैं। मगर आज गणेशोत्सव में दिखावा अधिक नजर आता है। आपसी सदभाव व भाईचारे का अभाव दिखता है। आज गणेश उत्सव के पण्डाल एक दूसरे के प्रतिस्पर्धात्मक हो चले हैं। गणेशोत्सव में प्रेरणाएं कोसों दूर होती जा रही हैं और इनको मनाने वालों में एकता नाम मात्र की रह गयी है। इस बार हमें एक बार फिर से संगठित होकर गणेशोत्सव को इतनी खुशी व धूमधाम से मनाना चाहिए जिससे समाज मे एकता व भाईचारा बढ़ सकें। सही मायने में तभी हमारी पूजा सार्थक हो सकेगी।

धर्म — निर्विकल्प

श्रीराम शर्मा आचार्य

आदतों को आरम्भ करने में तो कुछ भी नहीं करना पड़ता है पर वे बिना किसी कारण के भी क्रियान्वित होती रहती हैं। इतना ही नहीं, कई बार तो ऐसा भी होता है कि मनुष्य आदतों का गुलाम हो जाता है, और कोई विशेष कारण न होने पर भी उपयुक्त-अनुपयुक्त आचरण करने लगता है। बाद में स्थिति ऐसी बन जाती है कि उस आदत के बिना काम ही नहीं चलता। आलसियों और गंदगी पसन्द लोगों के कुटेवों को लोग नापसन्द भी करते हैं, और इनके लिए टीका-टिप्पणी भी करते हैं। पर अभ्यस्त व्यक्ति को यह प्रतीत ही नहीं होता कि उसने कोई ऐसी आदत पाल रखी है, जिसे लोग नापसन्द करते हैं, और बुरा मानते हैं। अच्छी आदतों के संबंध में यह बात है। साफ-सुथरे रहना, किफायत बरतना और किसी न किसी उपयोगी काम में लगे रहना, न होने पर प्रयत्नपूर्वक सौंपा हुआ काम कर लेना, एक प्रकार की अच्छी आदत ही है, जो आपके व्यक्तित्व का वजन बढ़ाती है। कुछ न कुछ उपयोगी प्रक्रिया बन पड़ने पर अनायास ही सहज श्रेय प्राप्त होता है। तिनके-तिनके इकट्ठे करने पर मोटा या मजबूत रस्सा बन जाता है। अच्छी या बुरी आदतों के संबंध में भी ऐसी बात है। आरम्भ में वे अनायास ही आरम्भ हो जाती हैं, और थोड़ा सा प्रयत्न करने, कुछ बार दुहरा देने भर से मनःस्थिति अनुकूल बन जाती है। स्वभाव का अंग बन जाने पर समूचे व्यक्तित्व को ही उस ढांचे में ढाल लेती हैं। अच्छी आदतों का अभ्यास किया जाए तो व्यक्तित्व सुणी स्तर का बन जाता है। दूसरों के मन में अपने लिए सम्मानजनक स्थान बना लेता है। उसे सभ्य या शिष्ट माना जाता है। उसके संबंध में लोग और भी अच्छे सुणों की मान्यता बना लेते हैं। उसके कार्यों में सहयोग करने लगते हैं, या अवसर मिलते ही उसे अपना सहयोगी बना लेते हैं। सहयोग या असहयोग ही किसी की उन्नति या अवनति का प्रमुख कारण है। अच्छी आदतें फलतः अपना हित साधन करती हैं। इनका देर-सबेर में उपयोगी लाभ मिलता है। इसके विपरीत बुरी आदतों से प्रत्यक्षतःऔर परोक्षतः निकट भविष्य में हानि ही उठाने की आशंका रहती है। कहा भी जाता है कि पहले आप आदतों को बनाते हैं, फिर वे आपको बनाती हैं। इसलिए जरूरी हो जाता है कि बराबर सचेत रहें और गलत आदतों को अपने भीतर जगह बनाने ही न दें।

विचार मंथन

ट्विन टावर के मकड़जाल में निवेशक और बैंक ठगे गए

लेखक-सिद्धार्थ शंकर

-पतली गली से बच निकलेंगे,राजनेता और अधिकारी

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर नोएडा की 32 मंजिला ट्विन टावर को विस्फोटक लगाकर जमींदोज कर दिया गया।कई वर्षों में तैयार टावर मात्र 9 सेकंड में जमींदोज हो गए। देश का 500 करोड़ रुपया एक ही झटके में मलबे में तब्दील हो गया। मीडिया में ट्विन टावर को गिराने को लेकर संस्थाएं अपनी पीठ थपथपा रही हैं। कोई यह जवाब नहीं दे पा रहा है, कि 500 करोड़ रुपए की यह बहु मंजिला इमारत के लिए नियमों को बदलने वाले और बिल्डर को स्वीकृति देने वाले राजनेता और अधिकारी क्यों बचे रह गए। समरथ को नहिं दोष गुसाईं की तर्ज पर सुप्रीम कोर्ट का कहर बिल्डर्स के ऊपर गिरा। बिल्डर ने बैंकों से करोड़ों रुपए फाइनेंस करा रखे थे। सरकारी अनुमतियाँ दिखाकर बिल्डर ने फ्लैट बुक करने वालों से करोड़ों रुपए जमा कराए थे। देश के 500 करोड़ रुपए बिल्डिंग बनाने में खर्च हुए थे। उसे गिराकर हम खुश हो रहे हैं। इतने बड़े राष्ट्रीय नुकसान के लिए जिम्मेदार राजनेताओं और अधिकारियों की यदि संपत्ति भी जप्त हो जाती, तो भविष्य में इस तरह की गड़बड़ी भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी करने सेजिम्मेदा लोग डरते। सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा ऐतिहासिक फैसला किया है।लेकिन अधिकारियों और राजनेताओं पर कार्यवाही ना करने से यह फैसला अधूरा लग रहा है। सुपर टेक कंपनी के इस प्रोजेक्ट को पहले 10 मंजिला की अनुमति मिली थी। लिमिटेड कंपनी होने के कारण इसमें निवेशकों का पैसा जमा है।2 बार नियमों में परिवर्तन कर राजनेताओं ने सीमा बढ़ाई। नोएडा डेवलपमेंट अथॉरिटी के अधिकारियों ने 32 और 40 मंजिला टावर बनाने की अनुमति दी। बैंकों ने फाइनेंस किया। निवेशकों ने अनुमतियां देखकर फ्लैट बुक किए।करोड़ों रुपए का निवेश प्रोजेक्ट में किया। रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार के इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में हुई। सुप्रीम कोर्ट में सारे तथ्य सामने आए। भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी की जड़ बने राजनेताओं और अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई ना करके, सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें एक तरह से बचने का मौका उपलब्ध करा दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, वर्तमान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल में नियमों में परिवर्तन हुआ। राजनेता समय-समय पर बड़ी तेजी के साथ नियमों को बदल देते हैं। यह सभी नियम बड़े प्रोजेक्ट बड़ी रिश्वत के कारण ही बदले जाते हैं। नियम आम आदमी के लिए होते हैं। नोएडा डेवलपमेंट अथॉरिटी ने नियमों में बदलाव होने के बाद परमिशन जारी की। प्रथम दृष्टया इसके लिए 26 अधिकारियों को दोषी मानते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने एफआईआर दर्ज करने के आदेश जारी कर दिए हैं। इन अधिकारियों पर कब मुकदमा दर्ज होगा, कब कार्यवाही होगी, कब गिरफ्तारी होगी। कितने साल मुकदमा चलेगा। जिन 26 अधिकारियों पर एफआइआर के आदेश हुए हैं। उन पर कितने वर्ष तक मुकदमा चलेगा। कितने वर्षों में अंतिम निर्णय आएगा, इसकी कोई समय सीमा नहीं है। 19 अधिकारी सेवानिवृत्त हो चुके हैं। सात वर्तमानअधिकारी सेवा में हैं। जिम्मेदार राजनेता, जिन्होंने नियमों में परिवर्तन किए हैं।उसके बारे में कोई जिम्मेदारी निर्धारित नहीं की जा रही है। जिस तरह सुप्रीम कोर्ट ने सुपरटेक लिमिटेड के टावरों को ढहाने तथा निवेशकों को जमा राशि वापस करने के आदेश दिए हैं। जिन लोगों ने टावर में फ्लैट बुक कराए थे। जिन बैंकों ने कंपनी को फाइनेंस किया था।उनको एक लंबी कानूनी लड़ाई अपना जमा पैसा वापस लेने के लिए लड़नी पड़ेगी। दोनों टावर गिर गए हैं। केवल जमीन बची रह गई है। सुपरटेक लिमिटेड पर भारी कर्जा है। पैसा वापसी के लिए वर्षों मुकदमा लड़ना पड़ेगा, कब पैसा वापस मिलेगा। इसको लेकर अब एक नई लड़ाई शुरू होगी। सुप्रीम कोर्ट के ऑर्डर में राजनेताओं और अधिकारियों की गड़बड़ियों और अपराध के बारे में कोई स्पष्ट निर्णय नहीं है। जिसके कारण इनको बच निकलने का पूरा मौका मिल गया है। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय की सराहना हो रही है।

राजनीतिक निहितार्थ

भ्रष्टाचार विरोधी मुहिम के किंतु-परंतु

(लेखक- उमेश चतुर्वेदी)

पिछली सदी के साठ के दशक के आखिरी दिनों से शायद ही कोई चुनाव हो, जिसका एक बड़ा मुद्दा भ्रष्टाचार का खात्मा न रहा हो, लेकिन भ्रष्टाचार ऐसा रक्तबीज बन गया कि वह खत्म होने का नाम नहीं ले रहा बल्कि बढ़ा जा रहा है। ऐसे माहौल में कभी कोई शीर्ष नेतृत्व भ्रष्टाचार पर मुकम्मल लगाम की बात करता है तो इसके पीछे भी राजनीति देखी जाने लगती है। हाल ही में केंद्रीय जांच ब्यूरो की कार्रवाई को भी राजनीति से ही जोड़कर देखा जा रहा है। चाहे शराब नीति लागू करने में हुई अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के घर और दफ्तर पर सीबीआई की छापेमारी हो या फिर बिहार में महागठबंधन की सरकार के विश्वासमत हासिल करने के ठीक पहले राष्ट्रीय जनता दल से जुड़े नेताओं के घरों और कार्यालयों पर छापेमारी हो। सीबीआई की छापेमारी को लेकर राजनीति के आरोप को उसकी टाइमिंग की वजह से बल मिला। राष्ट्रीय जनता दल को कहने को मौका मिल गया कि चूंकि बिहार में भाजपा सरकार से बाहर हो गई है, इसी खीझ में वह राष्ट्रीय जनता दल के नेताओं के ठिकानों पर छापेमारी करा रही है। बिहार के उपमुख्यमंत्री ने यहां तक कह दिया कि छापेमारी से भाजपा की केंद्र सरकार जनता दल यू और राष्ट्रीय जनता दल के विधायकों को डराने की कोशिश कर रही है ताकि विधायक टूट जाएं। कुछ ऐसी ही स्थिति दिल्ली में मनीष सिसोदिया के घर हुई छापेमारी को लेकर भी हुई। दिल्ली की नई शराब नीति पर आरोप है कि इससे न सिर्फ नियमों की अनदेखी की गई, बल्कि राजस्व का करीब तीन हजार करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। आरोप है कि सरकार ने अपने लोगों को फायदा पहुंचाया। आप पार्टी इस साल के अंत तक होने वाले गुजरात और हिमाचल प्रदेश के चुनावों में गंभीरता से लड़ने की तैयारी में है। भाजपा चूंकि इन राज्यों में सत्ता में है, इसलिए विरोधी आरोप लगा रहे हैं कि भाजपा की केंद्र सरकार के निशाने पर इसीलिए केजरीवाल हैं। हालांकि भाजपा इससे इनकार कर रही है। दिलचस्प यह है कि जिस दिन मनीष सिसोदिया पर सीबीआई ने छापा मारा, उसी दिन उनके दिल्ली के कथित शिक्षा मॉडल को लेकर न्यूयॉर्क टाइम्स और खलीज टाइम्स में स्टोरी छपी थी। इसका हवाला देते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बयान दिया कि मनीष सिसोदिया को भारत रत्न मिलना चाहिए, लेकिन उन्हें सीबीआई के जरिए तंग किया जा रहा है। चाहे अरविंद केजरीवाल का बयान हो या फिर मनीष सिसोदिया या बिहार के तेजस्वी का, इन नेताओं ने सीबीआई छापे को लेकर दिए अपने बयानों के जरिए अपने वोटरों को भरोसा दिलाने की कोशिश की। भरोसा यह कि उन्होंने कोई भ्रष्टाचार नहीं किया है। बल्कि उन्हें नीतीश कुमार के साथ सरकार बनाने के लिए तंग किया जा रहा है। आजकल जिस तरह की राजनीति हो रही है और वोटरों की जो सोच है, वह इस तथ्य की ओर ध्यान नहीं देता कि राजनीति में आने के पहले जिन नेताजी को बमुश्किल घर खर्च चल पा रहा था, चुनाव जीतने या सत्ता में आने के बाद उन्होंने कौन सा कारोबार कर लिया कि उनकी संपत्ति इतनी हो गई कि सात पीढ़ियां भी मौज कर सकें। अव्वल तो जनता को इन सवालों से जूझना चाहिए, लेकिन जिस तरह हमने लोकतांत्रिक राजनीति को विकसित किया है, उसमें मतदाता जातियों में बंट गए। उन्हें अपनी जातियों के नेताओं में कोई दाग नजर नहीं आता, बल्कि उस पर पड़ने वाले भ्रष्टाचार के छींटे विपक्षी दल या सत्ता पक्ष की कारगुजारी लगने लगती है। वैसे विपक्ष को सीबीआई को हथियार बनाने का आरोप लगाने का मौका इसलिए मिलता है कि क्योंकि भ्रष्टाचार को लेकर सीबीआई या प्रवर्तन निदेशालय के घेरे में भाजपा के नेता नहीं आ रहे। साल 2019 में पूर्व वित्त और गृहमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम के खिलाफ जब सीबीआई ने कार्रवाई की थी तो उसे भी राजनीति से ही प्रेरित बताया गया था। कुछ महीने पहले जब महाराष्ट्र के महाविकास अघाड़ी के नेताओं नवाब मलिक और अनिल देशमुख के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय ने कार्रवाई की तो उसे भी राजनीति से प्रेरित बताया गया।

500-525 मूल्यवर्ग में 5 सितंबर जारी होगा तमिलनाड मर्केंटाइल बैंक का आईपीओ

मुंबई। निजी क्षेत्र के तमिलनाडु मर्केटाइल बैंक का आईपीओ पांच सितंबर को खुलेगा और सात सितंबर को बंद हो जाएगा। बैंक ने अपने 832 करोड़ रुपए के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए प्रति शेयर 500-525 रुपए शेयर मूल्य तय करने का निर्णय लिया है। एंकर निवेशकों के लिए बोली दो सितंबर को खुलेगी। आईपीओ दस्तावेज के अनुसार निर्गम के तहत 1.58 करोड़ नए शेयर जारी किए जाएंगे। तूतीकोरिन स्थित बैंक नए निर्गम से प्राप्त आय का उपयोग भविष्य की पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने और अपने टियर-द्व पूंजी आधार को बढ़ाने के लिए करेगा। तमिलनाडु मर्केंटाइल बैंक, देश के सबसे पुराने निजी क्षेत्र के बैंकों में से एक है। यह मुख्य रूप से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों (एमएसएमई), कृषि एवं खुदरा ग्राहकों को बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं मुहैया कराता है। बैंक को आईपीओ के माध्यम से 831.6 करोड़ रुपए जुटाने की उम्मीद है। शेयरों को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

एससीआई की बिक्री के लिए जनवरी-मार्च तिमाही में वित्तीय बोलियां आमंत्रित करने की योजना

नई दिल्ली । केंद्र सरकार जनवरी-मार्च तिमाही में शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एससीआई) के निजीकरण के लिए वित्तीय बोलियां आमंत्रित कर सकती है। एक अधिकारी ने बताया कि शिपिंग कॉरपोरेशन की गैर-प्रमुख संपत्तियों और भूमि को अलग करने का काम अंतिम चरण में है। उन्होंने बताया कि यह प्रक्रिया करीब तीन महीने में पूरी होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि इसके बाद वित्तीय बोलियां आमंत्रित की जाएंगी। अधिकारी ने कहा कि संभावित निवेशकों से वित्तीय बोलियां जनवरी-मार्च तिमाही में आमंत्रित किए जाने की उम्मीद है। रणनीतिक बिक्री प्रक्रिया के तहत सरकार शिपिंग हाउस और प्रशिक्षण संस्थान सहित एससीआई की कुछ गैर-प्रमुख संपत्तियों को अलग कर रही है। एससीआई के निदेशक मंडल ने कंपनी की गैर-प्रमुख संपत्तियों को अलग करने की योजना को पिछले साल अगस्त में मंजूरी दी थी। उसके बाद नवंबर 2021 में एससीआईएलएएल का गठन किया गया था। निवेश एवं लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) ने दिसंबर 2020 में कंपनी में सरकार की समूची 63.75 प्रतिशत हिस्सेदारी बिक्री के लिए अभिरुचि पत्र (ईओआई) आमंत्रित किए थे। हिस्सेदारी बिक्री के साथ ही कंपनी का प्रबंधन भी स्थानांतरित किया जाना है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नवंबर, 2020 में शिपिंग कॉरपोरेशन के रणनीतिक विनिवेश को सैद्धान्तिक मंजूरी दी थी। सरकार ने 2022-23 में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के विनिवेश से 65,000 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है।

एनएबीएच ने मातृत्व सेवाओं में सुधार के लिए एफओजीएसआई के साथ किया समझौता

नई दिल्ली । फेडरेशन ऑफ ओब्स्टेट्रीशियन एंड गायनेकोलॉजिकल सोसाइटीज ऑफ इंडिया (एफओजीएसआई) ने मातृत्व सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएच) के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। एनएबीएच प्रत्यायन और गुणवत्ता संवर्धन के लिए भारत का शीर्ष निकाय है। एक संयुक्त बयान में कहा गया है कि यह साझेदारी 'एक देश एक मानक' सुनिश्चित करेगी, जहां मातृत्व सेवा प्रदाताओं का आकलन दो उपक्रम करेंगे। समझौते पर हस्ताक्षर सोमवार को किए गए। बयान में कहा गया है कि यह गुणवत्ता सुधार के लिए महत्वपूर्ण सहयोग है, जिसका उद्देश्य सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप मातृ मृत्यु दर में कमी लाना और भारत में सुरक्षित प्रसव के लिए स्वास्थ्य तंत्र को मजबूती प्रदान करना है। एनएबीएच के अध्यक्ष डॉ. महेश वर्मा ने मूलभूत स्तर पर गुणवत्ता की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा हम उत्कृष्टता की संस्कृति विकसित करने, स्वास्थ्य देखभाल तंत्र के विस्तार, निरंतर गुणवत्ता सुधार और मरीज की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

शेयर बाजार भारी उछाल के साथ बंद, सेंसेक्स 1500 अंकों से अधिक उछला

निफ्टी में 446 अंक की बढ़त

नई दिल्ली।
मुम्बई शेयर बाजार में मंगलवार को भारी तेजी रही। इसी के साथ ही बाजार पिछले दिनों की गिरावट से हुए नुकसान से उबर गया। अंतराष्ट्रीय बाजार से मिले-जुले रुख के बीच ही बाजार में यह बढ़त बैंक, ऑटो और आईटी के शेयरों में हुई जबरदस्त लिवाली (खरीददारी) से आई है। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन तीन शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1564.45 अंक करीब 2.70 फीसदी ऊपर आकर 59,527 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 446.49 तकरीबन 2.58 फीसदी उछलकर 17759.30 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान बैंक, ऑटो और आईटी के शेयरों में अच्छी तेजी रही। सेंसेक्स करीब 6 महीने बाद 1500 अंकों से अधिक ऊपर आया है। इससे पहले 15 फरवरी को सेंसेक्स 1736.21 अंक ऊपर आया था। इससे अधिक बढ़त पिछले साल 1 फरवरी को सेंसेक्स में आई थी। तब यह 2314 अंक ऊपर आया था। आज सुबह से ही बाजार में खरीददारी हावी होने से तेज शुरुआत हुई जो समय के साथ ही बढ़ती गयी। कामकाज शुरु होने के कुछ समय के अंदर ही सेंसेक्स 400 अंकों से ऊपर पहुंच गया। वहीं निफ्टी भी 131 अंकों की बढ़त बना 17444.70 पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान सभी प्रमुख क्षेत्रों की कंपनियों में भारी तेजी आई हालांकि सबसे अधिक बढ़त बैंक, आईटी, मेटल और ऑटो के शेयरों में आई। बैंक निफ्टी आज 3.29 फीसदी, आईटी 2.63 फीसदी, ऑटो 2.57 फीसदी और मेटल 2.11 फीसदी ऊपर आये। इसके अलावा उपभोक्ता वस्तुओं एफएमसीजी इंडाइसेज में भी 2 फीसदी से अधिक की बढ़त रही। 50 शेयरों वाले निफ्टी 50 में आज कोई भी नुकसान के साथ ही लाल निशान पर नहीं पहुंचा। सबसे ज्यादा बढ़त बजाज फिनसर्व में 5.42 फीसदी, बजाज फाइनेंस में 4.99 फीसदी, इंडसइंड बैंक 4.33 फीसदी, टेक महिंद्रा 3.93 फीसदी और आईसीआईसीआई बैंक 3.87 फीसदी में आई। वहीं, सबसे कम बढ़त टाटा कंज्यूमर 0.42 फीसदी, अडानी पोर्ट्स 0.43 फीसदी, डॉक्टर रेड्डी 0.53 फीसदी, भारती एयरटेल 0.64 फीसदी और ग्रासिम 0.66 फीसदी में आई।

सोने में तेजी , चांदी में नरमी

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में मंगलवार को सोने की कीमतों में तेजी जबकि वायदा बाजार में चांदी नीचे आयी है। मल्टीकमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सुबह 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 44 रुपये बढ़कर 51,282 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं इससे पहले कारोबार की शुरुआत में सोना 51,100 रुपये के स्तर पर खुला पर कुछ समय बाद ही इसकी कीमत बढ़कर 51,300 के करीब पहुंच गई। सोने के दाम अपने पिछले बंद भाव से 0.09 फीसदी ऊपर आये हैं। सोने की कीमत जहां बढ़ी है, वहीं दूसरी ओर चांदी की कीमतें गिरी हैं। एमसीएक्स पर चांदी का वायदा भाव 274 रुपये गिरकर 54,055 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गया है। वहीं इससे पहले कारोबार की शुरुआत में चांदी 53,909 रुपये के स्तर पर खुली थी पर गिरावट के बाद भी इसका भाव 54 हजार के ऊपर ही रहा।

टाटा ग्रुप की टीटीएमएल के शेयर में लगा अपर सर्किट, 3 साल में दिया 4026 फीसदी का रिटर्न

नई दिल्ली । टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा टेलीसर्विसेज लिमिटेड (टीटीएमएल) के शेयर में आज यानी 30 अगस्त को तेजी देखने को मिली है। कंपनी का शेयर 20 फीसदी ऊपर चल रहा है। कंपनी का शेयर राकेट की तरह भाग रहा है। इस शेयर को खरीदने की निवेशकों में होड़ लगी हुई है। कंपनी का शेयर अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच चुका है। 30 अगस्त यानी मंगलवार को यह करीब 20 फीसदी ऊपर चल रहा है। इसमें अपर सर्किट लगा हुआ है। 52 सप्ताह पहले ये अपने लो प्राइस पर था। जब यह शेयर इस साल 11 जनवरी को अपने उच्च लेवल पर था तो कई निवेशकों ने इसे बेचकर तगड़ा मुनाफा कमाया था। इसके बाद इसमें गिरावट देखने को मिली थी और ये 33 रुपये तक के स्तर पर चला गया था। इस दौरान निवेशकों को नुकसान उठाना पड़ा था। पिछले एक साल की बात करें तो 30 अगस्त 2021 को इस शेयर का भाव 37.80 रुपए था। इसके बाद 11 जनवरी 2022 को ये शेयर अपने उच्चतम स्तर 290.15 पर पहुंचा था। यहां बिकवाली होने पर शेयर का भाव गिरता चला गया। अब दोबारा इसमें तेजी देखने को मिल रही है। निवेशक इसके शेयरों की खूब खरीदारी कर रहे हैं। टीटीएमएल पिछले 3 साल में इसने 4026 फीसदी का रिटर्न दिया है। अगर एक साल की बात करें तो इसका रिटर्न 481 फीसदी से घटकर 167 फीसदी पर आ गया है। लेकिन इसके बावजूद देखें तो कंपनी ने निवेशकों को अच्छा मुनाफा दिया है। टीटीएमएल में तीन साल पहले एक लाख रुपये निवेश करने वालों का करीब 39 लाख कर चुका है। पिछले 3 साल में इसने 3795 फीसदी रिटर्न दिया है। अगर एक साल की बात करें तो इसका रिटर्न 481 फीसदी से घटकर 188.69 फीसदी पर आ गया है।

भारतीय कारोबारी गौतम अडानी बने दुनिया के तीसरे सबसे बड़े धनकुबेर, रचा कीर्तिमान

नई दिल्ली । भारत के प्रसिद्ध कारोबारी समूह अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी की लगातार उद्योग जगत में बढ़ती साख ने देश को गौरव का बढ़ाया है। गौतम अडानी कारोबार में प्रगति के साथ-साथ एशिया के भी सबसे बड़े धनकुबेर हैं। आज से कुछ साल पहले भले ही दुनिया में काफी सारे लोग उनका नाम नहीं जानते होंगे, लेकिन अभी पूरी दुनिया उन्हें जान चुकी है। अब गौतम अडानी ने नेटवर्थ के मामले में नया रिकॉर्ड बना दिया है। ब्लूमबर्ग के इंडेक्स के अनुसार, गौतम अडानी अब दुनिया के तीसरे सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। अडानी ऐसा करने वाले पहले एशियाई कारोबारी हैं। ब्लूमबर्ग इंडेक्स के अनुसार, अडानी ने अब लुयिइस विलटन के सीईओ एवं चेयरमैन बर्नार्ड अर्नाल्ट को पीछे छोड़ दिया है। इंडेक्स के अनुसार, अडानी की नेटवर्थ बढ़कर फिलहाल 137.4 बिलियन डॉलर हो चुकी है। अब अडानी समूह के चेयरमैन से आगे सिर्फ टेस्ला के सीईओ एलन मस्क और अमेजन के फाउंडर जेफ बेजोस हैं। मस्क की नेटवर्थ अभी 251 बिलियन डॉलर है, जबकि बेजोस के पास फिलहाल 153 बिलियन डॉलर की संपत्ति है।

पिछले कुछ समय के दौरान अडानी की नेटवर्थ तेजी से बढ़ी है। दुनिया भर के शेयर बाजारों में बिकवाली का दौर आने के बाद भी अडानी की दौलत लगातार बढ़ी है। ब्लूमबर्ग इंडेक्स के अनुसार, अडानी टॉप-10 अमीरों की लिस्ट में अकेले ऐसे व्यक्ति हैं, जिनकी दौलत पिछले 24 घंटे के दौरान बढ़ी है। इस दौरान अडानी की नेटवर्थ में 1.2 बिलियन डॉलर का इजाफा हुआ है। वहीं इस साल की बात करें तो अडानी के लिए यह काफी भाग्यशाली साबित हुआ है। जनवरी से अब तक अडानी की संपत्ति 60.9 बिलियन डॉलर बढ़ चुकी है। गौतम अडानी ने बर्नार्ड अर्नाल्ट को पीछे छोड़ने से पहले माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर बिल गेट्स को पिछले महीने पछाड़ कर इस लिस्ट में चौथा स्थान हासिल किया था। गेट्स ने पिछले महीने अपनी संपत्ति का बड़ा हिस्सा समाजसेवा के कार्यों के लिए दान किया था, जिससे उनकी नेटवर्थ एक झटके में काफी कम हो गई थी। दूसरी ओर अडानी की कंपनियों ने शेयर बाजार को मात देते हुए लगातार अच्छा परफॉर्म किया है, जिससे उनकी नेटवर्थ बढ़ी है। अभी गेट्स की नेटवर्थ कम होकर 117 बिलियन डॉलर रह गई है। साल 2022 अडानी के लिए बेहद शानदार साबित हुआ है। इस साल

जिस रफ्तार से अडानी की संपत्ति बढ़ी है, कोई अन्य अरबपति उनके आस-पास भी नहीं ठहरता। इस साल उनकी नेटवर्थ में 60 बिलियन डॉलर से ज्यादा की तेजी आई है, जो बाकियों की तुलना में कम से कम 5 गुना ज्यादा है। अडानी ने इस साल फरवरी में रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी को पीछे छोड़कर भारत के साथ-साथ एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति होने का खिताब अपने नाम दर्ज किया था। इसी साल अप्रैल में पहली बार अडानी की नेटवर्थ 100 बिलियन डॉलर के पार निकली थी। गौतम अडानी के लिए बिजनेस के मोर्चे पर भी पिछले कुछ महीने शानदार साबित हुए हैं।

स्वरोजगार में लगे लोगों के लिए खुशखबरी, मिलेगी पेंशन!

-नियमों में परिवर्तन की तैयारी में कर्मचारी भविष्यनिधि संगठन

नई दिल्ली ।
कर्मचारी भविष्यनिधि संगठन (ईपीएफओ) स्वरोजगार में लगे लोगों के लिए बड़ी खुशखबरी ला रहा है। संगठन ईपीएफओ में बड़ा परिवर्तन करने जा रहा है। योजना में स्वरोजगार में लगे लोगों को भी इसमें शामिल किया जा सकता है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अपनी रिटायरमेंट स्कीम्स में शामिल होने के लिए सैलरी और कर्मचारियों की संख्या की सीमा हटाने का प्रस्ताव दिया है। इससे फॉर्मल सेक्टर के सभी कर्मचारी और स्वरोजगार में लगे लोग रिटायरमेंट पेंशन स्कीम्स के दायरे में आ सकते हैं। ईपीएफओ अभी स्टेकहोल्डर्स के साथ इस मुद्दे पर चर्चा कर रहा है। साथ ही उसने इस बारे में राज्यों से भी संपर्क साधा है। फिलहाल, इसके लिए अधिकतम पेंशन योग्य सैलरी 15,000 रुपये प्रति माह तक सीमित है। मतलब आपकी सैलरी चाहे कुछ भी हो, लेकिन पेंशन की गणना सिर्फ 15,000 रुपये पर ही होती है। साथ ही वही कंपनियां इसमें शामिल हो सकती हैं जिनके कर्मचारियों की संख्या 20 या उससे अधिक है। ईपीएफ स्कीम के 5.5 करोड़ से अधिक सब्सक्राइबर हैं।

15,000 रुपये सैलरी और 20 कर्मचारियों की लिमिट के प्रावधान को खत्म करने के लिए इंप्लॉइज प्रोविडेंट फंड एंड मिसलेनियस प्रॉविजन एक्ट, 1952 में बदलाव करना होगा। इस बदलाव के बाद स्वरोजगार वाले भी ईपीएफओ स्कीम से जुड़ सकेंगे। इस बदलाव के बाद अपने काम में लगे लोग भी ईपीएफओ से जुड़ सकेंगे। एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि फॉर्मल सेक्टर से सभी कर्मचारियों और स्वरोजगार में लगे लोगों को इस स्कीम में जोड़ने के लिए कानून में बदलाव करना होगा। इनमें कर्मचारियों की संख्या और सैलरी की सीमा हटाना शामिल है। इससे फॉर्मल सेक्टर के सारे कर्मचारी इसमें शामिल हो सकते हैं, फिर चाहे उनकी सैलरी और कंपनी में कर्मचारियों की संख्या जो भी हो। अभी ईपीएफ के लिए अधिकतम पेंशन योग्य सैलरी 15,000 रुपये प्रति माह तक सीमित है। मतलब आपकी सैलरी चाहे कुछ भी हो, लेकिन पेंशन की गणना सिर्फ 15,000 रुपये पर ही होती है। ईपीएफओ अपने मेंबर को प्रॉविडेंट फंड, पेंशन और इंश्योरेंस की सुविधा देता है। ये सुविधाएं

ईपीएफ, इम्पलॉयी पेंशन स्कीम और इम्पलॉयी डिपॉजिट लिंक्ड इंश्योरेंस स्कीम (ईडीएलआईएस) के जरिए दी जाती है। सब्सक्राइबर्स की संख्या बढ़ने से ईपीएफओ का कॉर्पस भी बढ़ेगा। अभी यह 12 लाख करोड़ रुपये का है। अभी ईपीएफओ अपनी इंक्रीमेंटल इनकम का 15 फीसदी ईटीएफ में निवेश करता है। इसे बढ़ाकर 25 फीसदी तक ले जाने की योजना है।

सीआईएल ने बेहद प्रतिस्पर्धी कीमत पर कोयला उपलब्ध कराया, 4 सालों से नहीं बढ़ाया मूल्य : अग्रवाल

कोलकाता ।

कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने मंगलवार को कहा कि उसने पिछले चार वर्षों में कोयले की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं की है। इस दौरान कंपनी ने अंतरराष्ट्रीय बाजार की तुलना में बेहद प्रतिस्पर्धी कीमत पर कोयले की आपूर्ति सुनिश्चित की है। सीआईएल के चेयरमैन प्रमोद अग्रवाल ने कंपनी की 48वीं आम सभा (एजीएम) में शेयरधारकों से कहा कि वह उत्पादन और आपूर्ति को अनिवार्य स्तर तक बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि देश को उचित कीमत पर बिजली मिल सके। देश में कोयले की कुल आपूर्ति का 80 प्रतिशत कोल इंडिया उपलब्ध कराती है। अग्रवाल ने कहा ऐसे समय में जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोयले की कीमतें अधिक हैं, कोल इंडिया भारतीय उपभोक्ताओं को अत्यधिक प्रतिस्पर्धी कीमतों पर कोयले की आपूर्ति कर रही है, और पिछले चार वर्षों में कीमतों में कोई वृद्धि नहीं हुई है। सीआईएल प्रमुख ने इससे पहले कहा था कि कंपनी परिचालन लागत में बढ़ोतरी के मद्देनजर कोयले की कीमतों में संशोधन पर सभी हितधारकों के

साथ चर्चा कर रही है। उन्होंने एजीएम में कहा कि मौजूदा उपयोग पैटर्न के आधार पर भारत के बिजली उत्पादन में कोयला की भूमिका बनी रहेगी। हालांकि, उन्होंने पर्यावरण के नजरिए से नवीकरणीय ऊर्जा के लिए सरकार के प्रोत्साहन और सीओपी-26 में भारत द्वारा की गई जलवायु प्रतिबद्धताओं का स्वागत किया।

60 फीसदी तक महंगा हुआ स्विगी और जोमैटो जैसे ऐप से ऑनलाइन खाना मंगाना

नई दिल्ली।

आज के दौर में हर चीज सिर्फ एक क्लिक पर मौजूद है। बहुत-सी ऐसी सेवाएं हैं जिनके लिए पहले हमें खुद चलकर बाजार तक जाना पड़ता था, वे अब हमें घर बैठे ही मिल जाती है। घर बैठे ऑनलाइन खाना मंगाने की सुविधा भी उन्हीं में से एक है। एक सर्वे में यह खुलासा हुआ है कि स्विगी और जोमैटो जैसे ऐप के जरिए ऑनलाइन खाना मंगवाना सीधे रेस्टोरेंट से खरीदने की तुलना में 10 से 60 फीसदी तक महंगा होता है। यह सर्वे एक अंतराष्ट्रीय संस्था ने किया है। इसमें देश भर के 8 शहरों के 80 रेस्टोरेंट को शामिल किया गया है। जेफरीज का कहना है कि ज्यादातर रेस्टोरेंट में बैठकर खाने के रेट और ऑनलाइन में काफी अंतर पाया गया है। रेस्टोरेंट में बैठकर आप जो डिश 100 रुपए में खा सकते हैं, उसी के लिए ऑनलाइन ऐप पर आपको 110 रुपए से 160 रुपए तक खर्च करने पड़ सकते हैं। इससे आप समझ सकते हैं एक क्लिक पर खाने का ऑर्डर बुक करना आपकी जेब के लिए कितना महंगा पड़ता है। ऑनलाइन और ऑफलाइन खाने के ऑर्डर की कीमतों में इतना अंतर होने की तीन वजहें सामने आई हैं। इसमें रेस्टोरेंट द्वारा खाने की पैकिंग का शुल्क, एडवरटाइजिंग अथवा प्रचार और रेस्टोरेंट व पार्टनर ऐप का कमीशन शामिल है। कई रेस्टोरेंट पैकिंग शुल्क को भी बिल में अलग से जोड़ते हैं। यह शुल्क बिल का करीब 4 से 5 फीसदी तक होता है। खाने के ऑनलाइन ऑर्डर के लिए ग्राहकों से जो अतिरिक्त राशि ली जाती है उसमें डिलीवरी चार्ज भी शामिल होता है। यह बिल की कुल राशि का करीब 13 फीसदी तक होता है। इसके अलावा डिलीवरी ऐप और रेस्टोरेंट का कमीशन भी पहले से तय होता है। कमीशन की राशि सभी ऐप में अलग-अलग होती है। आपको बता दें कि जेफरीज ने इस सर्वे के दौरान देश के अलग-अलग शहरों के रेस्टोरेंट से 120 रुपये से लेकर 2800 रुपये तक 240 ऑर्डर किए थे। इसमें 80 फीसदी रेस्टोरेंट में ऑनलाइन और ऑफलाइन कीमतों में बड़ा अंतर सामने आया। इस सर्वे में जेफरीज ने बताया कि बहुत से ऑनलाइन ऐप हैं जो छूट देते हैं। आमतौर पर इसमें 10 फीसदी तक छूट देखने को मिलती है।

बैंकिंग सहित कई क्षेत्रों में 1 सितंबर से होने वाले हैं ये कई बदलाव

-किसान से लेकर आम आदमी पर होगा प्रभावित

नई दिल्ली ।

सितंबर महीने की पहली तिथि से कई परिवर्तन संभावित हैं। बैंकिंग के नियम में बदलाव साथ ही रसोई गैस (एलपीजी) की कीमतों में भी बदलाव हो सकता है। किसानों को भी नए महीने की शुरुआत से पहले पीएम किसान योजना से जुड़े काम को निपटाना जरूरी है। ऐसे कई बदलाव हैं, जो एक सितंबर से होने वाले हैं। इनमें से अगर आपका कोई जरूरी काम अब तक पूरा नहीं हो सका है, तो इसे तुरंत निपटा लीजिए।

पंजाब नेशनल बैंक अपने ग्राहकों से लंबे समय से केवाईसी अपडेट करने को कह रहा है। बैंक ने साफ तौर पर कह दिया है कि केवाईसी अपडेट कराने की अंतिम तारीख 31 अगस्त है। बैंक ने ट्वीट कर ग्राहकों को सूचित किया था कि रिजर्व बैंक की गाइडलाइंस के अनुसार, सभी ग्राहकों को केवाईसी अपडेट करना जरूरी है। इस काम को पूरा करने के लिए बैंक ने आखिरी तारीख 31 अगस्त 2022 तय की है।

बैंक के अनुसार, यदि आपके खाते का 31 मार्च 2022 तक केवाईसी का अपडेशन नहीं हुआ है, तो इसे 31 अगस्त 2022 तक पूरा करा लें। केवाईसी को अपडेट करने के लिए अपने मूल ब्रांच से संपर्क करें। अगर आपने केवाईसी अपडेट नहीं किया, तो आप अपने खाते से पैसों का लेन-देन नहीं कर पाएंगे।

हर महीने की पहली तारीख को पेट्रोलियम कंपनियां रसोई गैस की कीमतों में बदलाव करती हैं। ऐसे में हो सकता है कि रसोई गैस की कीमतों में इजाफा हो जाए। अगर आप बढ़ी हुई कीमतों से राहत चाहते हैं तो आज ही अपना एलपीजी सिलेंडर बुक करा लें, आज बुक कराने पर नई दरों से आपको भुगतान नहीं करना पड़ेगा। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि पाने के लिए किसानों को ई-केवाईसी कराने की अंतिम तारीख 31 अगस्त 2022 है। अगर किसान 31 अगस्त तक ये काम नहीं पूरा करते हैं, तो उनकी अगली किस्त अटक सकती है।

दिल्ली आने जाने के लिए जो लोग यमुना एक्सप्रेस-वे का इस्तेमाल करते हैं, उन्हें एक सितंबर से अधिक टोल टैक्स चुकाने होंगे। नई बढ़ोतरी के अनुसार, कार, जीप, वैन और हल्के मोटर वाहनों के लिए टोल की दर को 2.50 रुपये प्रति किलोमीटर से बढ़ाकर 2.65 किलोमीटर कर दिया गया है। प्रति किलोमीटर पर 10 पैसे की बढ़ोतरी हुई है।

हल्के कमर्शियल वाहन, हल्के

नियमों का उल्लंघन कर आधार वेंचर्स ने बढ़ाए थे शेयरों के दाम, सेबी ने ठोका 25 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) ने आधार वेंचर्स इंडिया लिमिटेड और इसके निदेशकों को इनसाइडर ट्रेडिंग नियमों का उल्लंघन करने और लिस्टिंग नियमों का पालन न करने पर 25 लाख रुपये का जुर्माना ठोका है। कंपनी और उसके निदेशकों ने कंपनी के शेयर के मूल्य को प्रभावित करने के लिए झूठी कॉर्पोरेट अनाउसमेंट की थी। एवीआईएल ने अगस्त 2014 में अफ्रीका में एक कंपनी का अधिग्रहण करने और सिंगापुर में एक सब्सिडियरी स्थापित करने की घोषणा की थी। हालांकि, व्यावहारिक रूप से ऐसा किया नहीं गया। ये घोषणाएं केवल कंपनी के शेयर के मूल्य को प्रभावित करने के लिए की गई थीं। सेबी ने अपनी जांच में इस गड़बड़ी को सही पाया और अब कंपनी व निदेशकों पर जुर्माना लगाया है। सेबी ने एक्सचेंजों को सही जानकारी न देने पर 10 लाख रुपये का जुर्माना आधार वेंचर्स लिमिटेड, इसके निदेशकों जिल्स रायचंद मदान, सोमभाई सुंदरभाई मीणा और ज्योति मुनव्वर पर लगाया है। इसे संयुक्त रूप से भरना होगा। यही नहीं सेबी ने मीणा और आधार वेंचर्स पर इनसाइडर ट्रेडिंग नियमों का उल्लंघन करने पर 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। मुनव्वर पर कंपनी के अनुपालन अधिकारी होने पर जरूरी जानकारियां एक्सचेंजों के साथ शेयर न करने पर 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। सेबी ने एवीआईएल के शेयरों के मूल्य में हेराफेरी करने की जांच शुरू की। शुरुआती जांच में सामने आया कि कंपनी ने अगस्त 2014 में अफ्रीका में एक कंपनी का अधिग्रहण करने और सिंगापुर में एक सब्सिडियरी स्थापित करने की घोषणा की थी। लेकिन, वतव में ऐसा उसने किया नहीं था। इसके बाद सेबी ने जुलाई से सितंबर 2014 तक इस मामले की गहन जांच की। सेबी की जांच में सामने आया कि कंपनी ने दोनों ही घोषणाएं कंपनी के शेयर के मूल्य को प्रभावित करने के लिए की थी। एवीआईएल की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार भी कंपनी द्वारा की गई घोषणाएं अमल में नहीं लाई गई थीं। जब बीएसई ने एवीआईएल से अपनी घोषणाओं के संबंध में जानकारियां देने को कहा तो कंपनी इस संबंध में कोई भी जानकारी देने में असफल रही। सेबी ने अपने आदेश में कहा है कि, इस जानकारी का कंपनी के प्रदर्शन पर प्रभाव पड़ा है.

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

लाइव शो में श्रीकांत के बल्ला घुमाने से घायल हुए हेमंग बदानी

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर हेमंग बदानी एशिया कप मैच के प्री-मैच शो के दौरान जारी कार्यक्रम में बल्ला लगने से घायल हो गये। इस शो में भारतीय टीम के पूर्व कप्तान के श्रीकांत जब एक शॉट को बल्ला घुमाकर दिखा रहे थे तभी बदानी बीच में आ गये और बल्ला उनके दाहिने हाथ में जा लगा। इसके बाद बदानी को दर्द से राहत पाने अपनी दाहिनी कोहनी की मालिश करते देखा गया। शुरुआत में लगा कि उन्हें हल्की चोट लगी है पर बाद में दिखा कि बदानी की चोट गंभीर है। इससे वह शो के दौरान दर्द से परेशान दिखे। इस घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। इसमें जिसमें बदानी चोट लगने के बाद शो बीच में ही छोड़कर चले गये। इसके बाद वीडियो में श्रीकांत को उनसे माफी मांगते हुए भी देखा गया। इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद बदानी ने ट्विटर पर अपने प्रशंसकों और शुभचिंतकों को अपने बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मैं बेहद दर्द में हूं पर सौभाग्य से कोई फ्रैक्चर नहीं हुआ है। मुझे दर्द हैं और दवा चल रही है। उम्मीद है कि जल्द ही ठीक होकर वापस सेट पर आउंगा।

हांगकांग के खिलाफ 'बेमेल' मुकाबले में टीम इंडिया का प्रयोग पर रहेगा जोर

दुबई ।

पहले मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को हराने के बाद आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय क्रिकेट टीम एशिया कप के दूसरे और आखिरी लीग मैच में बुधवार को हांगकांग के खिलाफ बल्लेबाजी क्रम या टीम संयोजन में बदलाव कर सकती है। केएल राहुल जैसे बल्लेबाजों के लिये यह लय में लौटने का सुनहरा मौका भी होगा। रोहित शर्मा की टीम के लिए ग्रुप ए का यह मैच नेट अभ्यास से अधिक नहीं होगा चूंकि हांगकांग की टीम में भारत और पाकिस्तान मूल के ही खिलाड़ी हैं जो इन दोनों देशों की प्रथम श्रेणी टीमों में भी शायद जगह नहीं बना पाते। हार्दिक पंड्या के शानदार हरफनमौला प्रदर्शन के दम पर पाकिस्तान को आखिरी ओवर में हराने के बाद अब फोकस बल्लेबाजी अभ्यास पर होगा। राहुल ने इस साल पहला टी20 मैच पाकिस्तान के खिलाफ पिछला मैच खेला। वह बल्लेबाजी अभ्यास पर फोकस करना चाहेंगे। टी20 में 20 गेंद में 45 रन का महत्व 65 गेंद में नाबाद 90 जैसे स्कोर से अधिक होता है। पारी किस तरह से खेली गई है और मैच में उसकी क्या अहमियत है, इस पर जोर रहेगा। भारत की नजरें 16 अक्टूबर से 13 नवंबर तक आस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप के लिये सही टीम संयोजन तलाशने पर भी है। हांगकांग के पास पाकिस्तान जैसे गेंदबाज तो नहीं है लेकिन उसे हलके में भी नहीं लिया जा सकता क्योंकि एक अनजान टीम के प्रदर्शन को लेकर कयास नहीं लगाया जा सकता। कप्तान रोहित ने साफ तौर पर कहा है कि प्रयोग जारी रहेंगे लिहाजा बल्लेबाजी क्रम में बदलाव हैरानी का विषय नहीं होगा। विराट कोहली के लिए भी यह मैच बल्लेबाजी अभ्यास के लिए अच्छा होगा ताकि वह उस लय में लौट सकें जिसकी वजह से विरोधी टीमें उनसे आतंकित रहती हैं। पाकिस्तान के खिलाफ कुछ खास नहीं कर सके रोहित को भी अच्छी पारी खेलने की उम्मीद होगी। देखना यह होगा कि रविंद्र जडेजा को चौथे नंबर पर उतारा जाता है या दिनेश कार्तिक की जगह ऋषभ पंत को मौका मिलता है। पाकिस्तानी टीम में शाहीन शाह अफरीदी के नहीं होने के बावजूद भारतीय शीर्षक्रम कुछ खास नहीं कर सका। ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड जैसी टीमों के खिलाफ भारत की शुरूआत से ही आक्रामक खेलने की रणनीति की असल परीक्षा होगी। युजवेंद्र चहल और जडेजा को आराम देकर इस मैच में रविचंद्रन अश्विन और रवि बिश्नोई को उतारा जा सकता है।

दुबई ओपन शतरंज : अर्जुन की शानदार जीत, भारत के नंबर 2 खिलाड़ी बने

दुबई ,यूएई (निकलेश जैन)

22वे दुबई ओपन इंटरनेशनल ग्रांड मास्टर शतरंज टूर्नामेंट के दूसरे दिन भारत के 18 वर्षीय ग्रांड मास्टर अर्जुन एरिगासी नें हमवतन इंटरनेशनल मास्टर नितीश बेरुलकर के खिलाफ एक महत्वपूर्ण मुक़ाबला जीतकर अपनी फीडे रेटिंग में लगभग 2 अंको की बढ़त करते हुए 2726 अंको के साथ विश्व रैंकिंग में हमवतन डी गुकेश को एक अंक से पीछे करते हुए 23वां तो भारतीय खिलाड़ियों में विश्वनाथन आनंद के बाद दूसरा स्थान हासिल कर लिया ,फिलहाल गुकेश 2625 अंको के साथ विश्व रैंकिंग में 24वे स्थान पर बने हुए है । सफ़ेद मोहरो से खेल रहे अर्जुन नें फ्रेंच ओपनिंग में शुरुआत से ही काफी खतरा उठाया और हमवतन नितीश नें उन्हे लगभग ड्रॉ करने पर मजबूर कर दिया था पर नितीश की कुछ गलत चालों नें अर्जुन को वापसी का मौका दे दिया और अर्जुन नें बाजी 39 चालों में जीत ली । वहीं प्रज्ञानंधा नें भी हमवतन दुष्यंत शर्मा को पराजित करते हुए अपना दूसरा अंक बनाया , भारत के अन्य प्रमुख खिलाड़ियों में अभिजीत गुप्ता नें ईरान के अरद नजारी को ,एसपी सेथुरमन नें कजाकिस्तान की कमालीडेनोवा मेरुत को तो रौनक साधवानी नें हमवतन सेम्मेद शेठे को पराजित कर अपना दूसरा अंक बनाया ।

प्रणय जापान ओपन के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

ओसाका । भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी एचएस प्रणय ने मंगलवार को यहां पहले दौर के मैच में अपने प्रतिद्वंद्वी एनजी का लोंग एंगस के बीच में ही हट जाने से जापान ओपन के पुरुष एकल के प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। हांगकांग के विश्व में 12वें नंबर के खिलाड़ी एंगस ने जब हटने का फैसला किया तब गैर वरीयता प्राप्त प्रणय 11-10 से आगे चल रहे थे। उस समय तक केवल सात मिनट का खेल हुआ था। विश्व की 18वें नंबर का भारतीय खिलाड़ी अब दूसरे दौर में सिंगापुर के पूर्व विश्व चैम्पियन लोह कीन यू का सामना करेगा। प्रणय शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने पिछले सप्ताह टोक्यो में विश्व चैंपियनशिप के दौरान दो बार के विश्व चैंपियन केंटो मोमोटा तथा हमवतन और राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता लक्ष्य सेन को हराया था। लेकिन वह क्वार्टर फाइनल में चीन के झाओ जुनपेंग से हार गए थे।

अमरीकी ओपन चैम्पियन मेदवेदेव और मर्रे जीते, हालेप उलटफेर का शिकार

न्यूयॉर्क ।

पिछले चैम्पियन दानिल मेदवेदेव ने अमरीकी ओपन के पहले दौर में स्टीफन कोजलोव को 6.2, 6.4, 6.0 से हराया। वहीं दुनिया की सातवें नंबर की खिलाड़ी सिमोना हालेप को यूक्रेन की डारिया स्निगुर ने 6.2, 0.6, 6.4 से हराकर उलटफेर कर दिया। जीत के बाद स्निगुर अपने आंसुओं पर काबू नहीं रख सकी क्योंकि उनके परिवार और रूस के हमले से जूझ रहे देश के लिए यह जीत काफी मायने रखती हैं। मेदवेदेव का सामना अब फ्रांस के आर्थर रिंडरनेश से होगा। एंडी मर्रे ने अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को कारूनडोलो को 7.5, 6.3, 6.3 से हराया। चौथी वरीयता प्राप्त स्टेफानोस सिटसिपास को क्वालीफायर डेनियल इलाही गालान ने 6.0, 6.1, 3.6, 7.5 से हराया। वहीं 2020 के चैम्पियन डोमिनिक थीम चार सेटों में पाब्लो कारेनो बस्टा से हार गए। 2016 के विजेता स्टान वावरिंका को चोट के कारण कोरेंटिन मूटेट के खिलाफ मुकाबला दूसरे सेट के टाइब्रेकर में हारने के बाद छोड़ना पड़ा। बियांका आंद्रिस्क्यू ने फ्रांस की हारमनी टैन को तीन सेटों में मात दी। दुनिया के 29वें नंबर के खिलाड़ी टॉमी पॉल ने बर्नाबी जापाटा मिरालेस को 4.6, 6.3, 2.6, 6.0, 7.5 से हराया। वहीं अमरीका के सेबेस्टियन कोरडा ने फाकुंडो बागनिस को चार सेटों में हराया। अमरीका के जेजे वोल्फ ने 16वीं वरीयता वाले रॉबर्टो बातिस्ता एगुट को सीधे सेटों में हराया। चीन के वू यिबिंग पेशेवर युग में अमरीकी ओपन मैच जीतने वाले पहले चीनी खिलाड़ी बन गए जिन्होंने 31वीं रैंकिंग वाले निकोलोज बासिलाश्विली को 6.3, 6.4, 6.0 से हराया। तीसरी वरीयता प्राप्त मारिया सक्कारी ने विम्बलडन सेमीफाइनल खेल चुकी ततयाना मारिया को तीन सेटों में हराया जबकि 17वीं रैंकिंग वाली कैरोलिन गार्शिया भी दूसरे दौर में पहुंच गई।

संक्षिप्त समाचार

ICC का चला चाबुक, भारत-पाकिस्तान दोनों टीमों पर लगा जुर्माना

दुबई । भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार को एशिया कप में हुई ब्लॉकबस्टर भिड़ंत के बाद आईसीसी ने अपना चाबुक चलाते हुए दोनों टीमों पर जुर्माना लगाया। दोनों टीमों को अपनी गेंदबाजी के अंतिम चरण में 30-यार्ड सर्कल के अंदर एक अतिरिक्त क्षेत्ररक्षक रखना पड़ा। ऐसा नए नियमों के कारण हो रहा है जिसमें रन गति प्रति ओवर को सुधारने के प्रावधान हैं। भारत ने यह मैच 5 विकेट से जीता। हार्दिक पांड्या ने हरफनमौला प्रदर्शन कर जीत की नींव रखी। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने कहा कि भारत और पाकिस्तान दोनों रविवार को एशिया कप के अपने मैच के दौरान निर्धारित समय में 20 ओवर पूरी नहीं कर पाए। इसलिए दोनों को आखिरी ओवरों में 30-यार्ड सर्कल के अंदर एक अतिरिक्त क्षेत्ररक्षक लगाने के लिए मजबूर किया गया था। बता दें कि पिछले साल आईसीसी क्रिकेट समिति द्वारा इस बदलाव की सिफारिश की गई थी। यह एक संगठन जो सभी प्रारूपों में खेलने की गति में सुधार करने के लिए बैठता है। संशोधित खेल परिस्थितियों में खेला गया पहला मैच वेस्टइंडीज और आयरलैंड के बीच खेला गया टी-20 मैच था जिसमें इस कारण जुर्माना लगाया गया था। पहले गेंदबाजी करते हुए भारत ने निर्धारित समय में 18 ओवर से कम गेंदबाजी की थी, जिसका अर्थ है कि रोहित शर्मा को अंतिम दो ओवरों के लिए सर्कल के अंदर पांच क्षेत्ररक्षकों रखने की इजाजत मिलने थी। टीम ने 11 गेंदों में 23 रन दिए और पाकिस्तान को 147 पर आउट कर दिया। स्कोर का पीछा करते समय पाकिस्तान के गेंदबाजों ने भी काफी वक्त लिया। उन्होंने उसी प्रतिबंध के तहत अंतिम तीन ओवर फेंकने की जरूरत थी। रवींद्र जडेजा और हार्दिक पांड्या ने अतिरिक्त क्षेत्ररक्षक का फायदा उठाया, जीत के लिए आवश्यक 32 रन बनाए और दो गेंद शेष रहते लक्ष्य का पीछा पूरा किया।

पब में अश्लील हरकत करने वाले खिलाड़ियो पर कार्रवाई करेगा फुटबॉल क्लब

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के एक पब में पार्टी के दौरान एक फुटबॉल क्लब ग्लेन विवरली के खिलाड़ियों को अश्लील हरकत करते हुए पाया गया था। अब इस मामले का एक वीडियो वायरल होने के बाद क्लब का एक बयान आया है जिसमें कहा गया है कि दोषी खिलाड़ियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। एक रिपोर्ट के अनुसार यह वीडियो इसी माह का है। एक पब में पार्टी के दौरान इन फुटबॉलरों ने अश्लील हरकत की थी। वीडियो में खिलाड़ी नशे में पाये जाने के साथ ही अन्य लोगों से अभद्र तरीके से व्यवहार कर रहे के। इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद से ही इन खिलाड़ियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठने लगी थी। अब फुटबॉल क्लब ने एक बयान जारी कर कहा है कि इस मामले में जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी पर यह नहीं बताया कि किस प्रकार के कदम उठाये जाएंगे। क्लब ने कहा कि खिलाड़ियों ने जिस पार्टी में ये हरकत की, उसका आयोजन न तो क्लब ने किया था और न ही उसकी अनुमति दी थी। अब देखना है कि लोगों के विरोध को देखते हुए क्लब इस मामले में क्या कार्रवाई करता है।

झूलन की जगह भरना नामुमकिन, क्रिकेट के प्रति उनका जुनून बेजोड़ : हरमनप्रीत

बेंगलुरू ।

भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने क्रिकेट में झूलन गोस्वामी के योगदान को याद करते हुए कहा कि इस अनुभवी तेज गेंदबाज का खेल के प्रति जुनून बेजोड़ है और टीम में कोई भी उनकी जगह नहीं भर सकता है। पिछले दो दशक से भारतीय गेंदबाजी की अगवा रही 39 वर्षीय झूलन 24 सितंबर को इंग्लैंड के खिलाफ लाड्र्स में तीसरा और अंतिम एकदिवसीय मैच खेल कर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह देंगी। झूलन के नाम पर अभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड दर्ज है। हरमनप्रीत ने टीम के इंग्लैंड दौरे के लिए रवाना होने की पूर्व संध्या पर मीडिया से बातचीत में कहा, 'वह प्रत्येक मैच में उसी तरह के जुनून के साथ उतरती हैं जो कि बेजोड़ है। कोई उनका मुकाबला नहीं कर सकता।' हरमनप्रीत ने विश्व कप 2009 में पाकिस्तान के खिलाफ झूलन की कप्तानी में ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। उनकी इस दिग्गज भारतीय तेज गेंदबाज के साथ कई यादें जुड़ी हैं जिनके नाम पर 201 वनडे में रिकॉर्ड 252 विकेट दर्ज हैं। झूलन इस प्रारूप में 200 से अधिक विकेट लेने वाली एकमात्र गेंदबाज हैं। हरमनप्रीत ने कहा, 'जब मैंने पदार्पण किया था तब वह कप्तान थी। यह मेरे लिए शानदार अवसर है कि जब वह अपना अंतिम वनडे खेलेंगी तो मैं कप्तानी का जिम्मा संभालूंगी। जब मुझे टीम में जगह मिली तो वह एकमात्र खिलाड़ी थी जो आगे बढ़कर नेतृत्व करती थी। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा। कोई भी उनकी जगह नहीं ले सकता है।' उन्होंने कहा, 'वह एक ऐसी खिलाड़ी हैं जो हमेशा एक ही तरह का प्रयास करती हैं। वह दो-तीन घंटे गेंदबाजी करती हैं। वह अब भी उसी तरह की कड़ी मेहनत करती हैं जैसे कि अपने शुरुआती दिनों में किया करती थी।' हरमनप्रीत ने कहा, 'आपको शायद ही कोई ऐसी गेंदबाज दिखे जो उनकी तरह नेट पर कड़ी मेहनत करता हो। क्रिकेट के प्रति उनमें जिस तरह का जुनून है वह किसी में नहीं है।' उन्होंने कहा, 'एक क्रिकेटर के तौर पर और एक व्यक्ति के रूप में मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा। वह हम सभी के लिए बहुत अच्छा उदाहरण हैं। देश में कई खिलाड़ियों ने उनको खेलते हुए देखकर यह खेल अपनाया।'

झूलन ने इस साल मार्च में न्यूजीलैंड में खेले गए वनडे विश्व कप में हिस्सा लिया था लेकिन वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत के अंतिम ग्रुप मैच से पहले चोटिल हो गई थी। इस कारण वह जुलाई में श्रीलंका दौरे पर भी नहीं जा पाई थी।

12 से 18 सितंबर तक खेला जाएगा चेन्नई ओपन

चेन्नई । अमेरिका की एलिसन रिस्के 12 से 18 सितंबर तक यहां होने वाले चेन्नई ओपन डब्ल्यूटीए 250 टेनिस टूर्नामेंट में खेलेंगी। रिस्के के अलावा बेल्जियम की एलिस मर्टेंस, फ्रांस की कैरोलिन गार्सिया और जर्मनी की तातजाना मारिया भी यहां खेलती नजर आयेंगी। मारिया दो बच्चों की मां है और इसके बाद भी इस खिलाड़ी ने पहली बार विंबलडन के सेमीफाइनल में जगह बनाकर सभी को हैरान कर दिया था। वह किसी ग्रैंडस्लैम प्रतियोगिता में 47 प्रयासों के बाद पहली बार अंतिम चार में पहुंची थीं। डब्ल्यूटीए ने 21 खिलाड़ियों को इस टूर्नामेंट के लिए सीधा प्रवेश दिया है। एकल ड्रॉ में इन खिलाड़ियों के अलावा एक विशेष राहत प्राप्त खिलाड़ी, वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाली चार खिलाड़ी और छह क्वालीफायर शामिल हैं। इस टूर्नामेंट के क्वालीफाइंग ड्रॉ में 24 खिलाड़ी शामिल हैं जिनमें से 20 को सीधा प्रवेश दिया गया है जबकि चार को वाइल्ड कार्ड से प्रवेश मिला है। वहीं युगल में कुल 16 जोड़ियां भाग लेंगी।

चीनी खिलाड़ी का खुलासा , मैच फिक्स करते हैं कोच और अधिकारी

बीजिंग ।

चीन की एक महिला बैडमिंटन खिलाड़ी ये झाओयिंग ने कोच ओर अधिकारियों पर मैच फिक्स करने केआरोप लगाते हुए कहा है कि साल 2000 में सिडनी ओलंपिक के दौरान उसे चीनी खेल अधिका रियों ने जानबूझकर मैच हारने के आदेश दिये थे। इसके लिए उसे बोनस भी दिया गया था। झाओयिंग के अनुसार कोच के इस आदेश के बाद उसे बेहद निराश हुई थी पर उसके सामने कोई रास्ता नहीं था। झाओयिंग के अनुसार चीनी अधिकारियों का मानना था कि उसके फाइनल में जीतने की अधिक संभावनाएं नहीं हैं , इसलिए उसे अपने ही देश की गोंग झीचाओ के खिलाफ महिला एकल सेमीफाइनल को हारना होगा। झाओयिंग के अनुसार मुख्य कोच ली योंगबो और महिला एकल के मुख्य कोच तांग जुएहुआ ने मैच से एक रात पहले उससे कहा कि उन्हें जानबूझकर हारना है। झाओयिंग ने कहा कि ऐसे फरमान पर आप बहुत बेबस महसूस करते हैं क्योंकि आप पूरे सिस्टम के खिलाफ अकेले हैं। ओलंपिक एक एथलीट के रूप में जीवन में लगभग एक बार मिलने वाला अवसर है, इसलिए जब आपको खुद को हारने देना होता है तो यह वास्तव में दुखद होता है। कोच ने यह भी कहा था कि उसे हार में बहुत स्पष्ट नहीं होना है और उसे मैच को तीसरे राऊंड तक नहीं ले जाना है और गोंग को थकने नहीं देना है। इसके लिए उनको 16,300) का बोनस ऑफर दिया गया, जो एक ओलंपिक चैंपियन को भी दिया गया था। झाओयिंग सेमीफाइनल में गोंग से 11–8, 11–8 से हार गई। इसके बाद गोंग ने खिताबी मुकाबला जीता था। झाओयिंग के अनुसार कोच ओर खेल प्रबंधन का लक्ष्य किसी प्रकार मैच फिक्स कर जीत दर्ज करना रहता है।

श्रीलंका को बांग्लादेश के खिलाफ बेहतर बल्लेबाजी की उम्मीद

शारजाह ।

पहले मैच में अफगानिस्तान से हारी श्रीलंका को बांग्लादेश के खिलाफ मंगलवार को एशिया कप के दूसरे मुकाबले में अपने बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। पहले मैच में अफगानिस्तान के तेज गेंदबाजों के सामने श्रीलंकाई बल्लेबाज टिक नहीं सके थे। दूसरी ओर टूर्नामेंट में अपना पहला मैच खेल रही शाकिब अल हसन की अगुवाई वाली बांग्लादेशी टीम इस प्रारूप में अपना रिकॉर्ड बेहतर करना चाहेगी। पिछले साल विश्व कप के बाद से उसने इस प्रारूप में 13 में ये दो ही मैच जीते हैं। श्रीलंका के कप्तान दासुन शनाका को उम्मीद है कि बांग्लादेशी गेंदबाजी आक्रमण अफगानिस्तान की तरह खतरनाक नहीं होगा। उन्होंने पहले मैच में मिली हार के बाद कहा कि अफगानिस्तान के पास विश्व स्तरीय गेंदबाजी आक्रमण है। हमें पता है कि मुस्ताफिजूर रहमान अच्छा गेंदबाज है और शाकिब भी। लेकिन उनके अलावा बांग्लादेश के पास कोई विश्व स्तरीय गेंदबाज नहीं है। अफगानिस्तान की तुलना में बांग्लादेश की चुनौती आसान है। अफगानिस्तान के तेज गेंदबाजों फजलहक फारूकी और नवीनुल हक ने श्रीलंकाई पारी की कमर तोड़ दी थी। शनाका ने उम्मीद जताई कि बांग्लादेश के खिलाफ उनके बल्लेबाज बेहतर तैयारी के साथ उतरेंगे। वहीं, बांग्लादेश के हरफनमौला मेहदी हसन ने कहा कि उनकी टीम शनाका के दावे का जवाब मैदान पर देगी। उन्होंने कहा कि हम इस पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहते कि यह टीम अच्छी है या वह टीम खराब है। यह मैदान पर साबित होगा। खराब खेलने पर अच्छी टीम भी हार सकती है और अच्छा खेलने पर बुरी टीम भी जीत सकती है।

कंडीशनिंग कोच पैडी के आने से लय में आ रहे विराट

दुबई । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ अच्छी बल्लेबाजी की थी। इससे लगता है कि विराट अपने पुराने अंदाज में लौट रहे हैं। विराट ने पाक के खिलाफ 35 रनों की उपयोगी पारी खेली थी। माना जा रहा है कि इसके पीछे टीम इंडिया के कंडीशनिंग कोच पैडी अप्टन हैं। पैडी हाल में ही भारतीय क्रिकेट टीम के मेंटल कंडीशनिंग कोच बने हैं। वह साल 2011 में एकदिवसीय विश्व कप के दौरान भी इसी भूमिका में थे। एक रिपोर्ट के अनुसार अप्टन को यह जिम्मेदारी मिली है कि वो विराट को मानसिक तौर पर पहले वाले अंदाज में लायें। पैडी एशिया कप में विराट के साथ 45 मिनट के 4 सत्र करेंगे। इसमें केवल खेल के मानसिक पहलू के बारे में ही बात होगी। पैडी ने विराट को पुराने रंग में लौटाने के लिए खास योजना बनायी है। इसी के तहत ही टीम के वीडियो एनालिस्ट से विराट की खास पारियों को दिखाने को कहा गया है। जिससे उनका आत्मविश्वास लौट सके और वो पुराने तरीके से बल्लेबाजी कर सकें। कोहली ने हाल ही में कहा था कि वह हाल में क्रिकेट से ब्रेक लेने से पहले मानसिक रूप से अच्छा महसूस नहीं कर रहे थे। अप्टन कोहली को इसी मानसिक अवस्था से बाहर निकालने के काम में लगे हुए हैं और 45 मिनट के खास सत्र में इन्हीं बातों पर ध्यान दे रहे हैं।

कॅरियर के लिए अच्छा ऑप्शन हो सकता है कुकिंग और बेकरी का कोर्स

जायकेदार खाना बनाने की कला के जरिए आप एक छोटे लोकल पब से लेकर फाइव स्टार या फिर इंटरनेशनल होटल में अपनी जगह बना सकते हैं

जायकेदार खाना बनाने की कला के जरिए आप एक छोटे लोकल पब से लेकर फाइव स्टार या फिर इंटरनेशनल होटल में अपनी जगह बना सकते हैं.बस दिखाना है अपनी उंगलियों का कमाल, बनाना है ऐसा खाना की सामने वाला सिर्फ खाना ही नहीं बल्कि उंगलियां भी चाटता रह जाएं.अगर आपका इंट्रेंस्ट कुकिंग, बेकिंग और लजीज खाना बनाने में है, अगर आप डिफरेंट डिशेज के साथ एक्सपेरिमेंट करना पसंद करते हैं तो एक नया कॅरियर ऑप्शन आपके इंतजार में हैं.होटल मैनेजमेंट में इन दिनों कॅरियर बनाने के कई ऑप्शन मौजूद हैं और उनमें से एक है कुकिंग एंड बेकरी

प्रकृति : कुकिंग और बेकरी का कोर्स आपके लिए एक अच्छा ऑप्शन बन सकता है, यदि आप एक बेहतर शेफ बनाना चाहते हैं.खाने की सम्पूर्ण जिम्मेदारी से लेकर किचन का रख-रखाव शेफ की निगरानी में होता है। हालांकि कई बार शेफ को फ्रंट में भी आना पड़ता है.ये एक मैनेजरियल एक्टिविटी का ही हिस्सा होता है, ताकि उसे पता चल सके कि लोगों को क्या पसंद है.और उसके अनुरूप वो लोगों के लिए वही डिश तैयार करे ताकि लोग बार-बार स्वाद लेने के लिए बरबस पहुंच जाए.

कोर्स : बीएससी इन हॉस्पिटैलिटी एंड होटल एडमिनिस्ट्रेशन, डिप्लोमा इन कुकरी, क्राफ्टसमैनशिप कोर्स इन फूड एंड बेवरेज सर्विस मैनेजमेंट, सर्टिफिकेट कोर्स इन कुकरी, सर्टिफिकेट कोर्स इन कुकरी फॉर होम मेकिंग, डिप्लोमा इन बेकरी एंड कंफेक्शनरी जैसे कोर्स कर कुकिंग और बेकरी में करियर बना सकते हैं.

अवसर : कुकिंग और बेकरी होटल मैनेजमेंट का एक अहम पार्ट है.इसमें करियर के कई अवसर हैं.सबसे अहम है फूड एंव बेवरेज डिविजन सर्विस के अलावा बतौर शेफ बनकर करियर को रौशन कर सकते हैं.मुख्य तौर पर होटल, रेस्तरां, क्रूज, टूरिज्म एसोसिएन, एयरलाइन कैटरिंग और केबिन सर्विस, क्लब मैनेजमेंट, लॉज, गेस्ट-हाउस भी होटल मैनेजमेंट पासआउट प्रोफेशनल्स ही चलाते है.बेकर्स के लिए भी जॉब के ऑप्शन्स की कमी नहीं है.बेकरी, हॉट ब्रेड शॉप, डिपार्टमेंटल स्टोर्स, होटल और कैफे में भी बेकर्स की काफी डिमांड है.पूरी दुनिया में टुरिज्म और एविएशन ने होटल बिजनेस के लिए अवसरों को बहुत बड़ा बना दिया है। आने वाले समय में होटल इंडस्ट्री में जॉब की कमी नहीं होगी.इसके अलावा आप धीरे-धीरे खुद का होटल, बेकरी शॉप, रेंस्तरां य फिर कैटरिंग बिजनेस भी शुरु कर सकते हैं, ऐसा कहना है एलबीआईआईएचएम के डायरेक्टर कमल कुमार का.

योग्यता : कुकिंग और बेकरी में सर्टिफिकेट कोर्स, डिप्लोमा व डिग्री कर सकते हैं.इन पाठ्यक्रमों में एडमिशन के लिए किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड या विविद्यालय से 12वीं या स्नातक होना जरूरी है.12वीं में अंग्रेजी एक अनिवार्य विषय के रूप में होनी चाहिए.इस इंडस्ट्री में कामयाब होने के लिए कुछ व्यक्तिगत गुणों का होना भी जरूरी है जैसे मृदुभाषी होना। द्विभाषी (अंग्रेजी, हिन्दी) का ज्ञान हो तो और भी बेहतर.बेहतर पर्सनैलिटी, सुनने-समझने की अच्छी आदत, समस्याओं को सुलझाने की योग्यता, लीडरशिप और मैनेजरियल स्किल भी बेहद जरूरी है.

जॉब के साथ-साथ पढ़ाई करने की सहूलियत देता है डिस्टेंस एजुकेशन

डिस्टेंस एजुकेशन प्रोग्राम स्टूडेंट्स को ऑनलाइन पढ़ने की सुविधा तो देते हैं, लेकिन इसकी क्रेडिबिलिटी को लेकर कंफ्यूज रहने के कारण स्टूडेंट्स इसे चुनने का निर्णय नहीं ले पाते। स्टूडेंट्स की इसी समस्या को दूर करने के लिए हम कर रहे हैं इसके हर पहलू का विश्लेषण।

डिस्टेंस एजुकेशन प्रोग्राम स्टूडेंट्स को जॉब के साथ-साथ पढ़ाई करने की सहूलियत देता है। लेकिन बावजूद इसके कई स्टूडेंट्स इसकी वैल्यू को लेकर कन्फ्यूज्ड रहते हैं। यह मोड ऑफ एजुकेशन स्टूडेंट्स के लिए कितना बेनिफीशियल हो सकता है, यह पूरी तरह से स्टूडेंट पर ही निर्भर करता है। अगर आप भी डिस्टेंस मोड से हायर एजुकेशन पाने को लेकर कन्फ्यूज्ड हैं तो जानें डिस्टेंस लर्निंग प्रोग्राम की पूरी अनालिसिस ताकि आपके लिए डिसीजन लेना आसान हो जाए।

डिस्टेंस एजुकेशन के लाभ

लचीलापन

फ्लेक्सिबल होने से वर्किंग प्रोफेशनल्स के लिए यह फायदेमंद है। ऐसे स्टूडेंट्स जिन्हें काम के कारण अपनी पढ़ाई छोड़नी पड़ी या जो दूसरे शहर जाकर नहीं पढ़ सकते हैं, वो इसका फायदा उठा सकते हैं।

समय व ऊर्जा की बचत

अगर आप गांव या कस्बे में रहते हैं, जहां हायर एजुकेशन के लिए अच्छे कॉलेज नहीं हैं, तो डिस्टेंस मोड अच्छा ऑप्शन है।

कोई दबाव नहीं

कॉन्सेप्ट समझने और याद करने की हर स्टूडेंट की अपनी एबिलिटी होती है। इसमें आप को प्रेशर या कंपीटिशन का दबाव महसूस नहीं होता है।

आर्थिक रूप से किफायती

रेग्युलर कोर्सेस की अपेक्षा इसके कोर्सेस सस्ते होते हैं साथ ही कॉलेज जाने या दूसरे शहर में रहकर पढ़ने का खर्चा भी बचता है।

सुविधाजनक

आप घर या ऑफिस कहीं से भी ऑनलाइन अपना असायनमेंट सब्मिट कर सकते हैं।

समय की सुविधा

आपको जब समय मिले, तब आप ऑनलाइन लेक्चर्स अटैंड कर सकते हैं। वर्चुअल क्लासमेट्स से डिस्कस कर डाउट्स क्लियर कर सकते हैं।

कहीं से भी शुरू करें

आपको स्टडी मटैरियल प्रोवाइड किया जाता है। आप चाहे जिस टॉपिक से अपनी स्टडी शुरू कर सकते हैं।

बहुत मायने रखता है जो दिखता है वह बिकता है का कॉन्सेप्ट

'जो दिखता है वह बिकता है'' का कॉन्सेप्ट मॉल कल्चर के लिए बहुत मायने रखता है। दुकानों के सामने सिर्फ डिस्प्ले लगाने का दौर अब नहीं रहा। शो-रूम्स में हर चीज इतनी सलीके से रखी हुई मिलती हैं कि कस्टमर कोई वस्तु खरीदने जाता है, जो अन्य चीजें भी आकर्षित करने लगती हैं। सेल्समैन से कुछ भी पूछने की जरूरत नहीं पड़ती। दरअसल, यह सब विजुअल मर्चेंडाइजिंग का कमाल है, जो अपने आप पूरी एक साइंस है यानी स्टोर में प्रोडक्ट को कैसे डिस्प्ले करना है? वॉल पर क्या कल अच्छा लगेगा? कैसे टारगेट कस्टमर को दुकान या स्टोर के अंदर लाया जाए. इत्यादि। इसीलिए विजुअल मर्चेंडाइजर को 'साइलेंट सेलर'' भी कहा जाता है। रिटेल स्टोर और मल्टी स्टोर का चलन बढ़ने से इस प्रोफेशन की डिमांड बहुत बढ़ गई है।

प्रोफेशनल थीम का जमाना

विजुअल मर्चेंडाइजिंग प्रेजेंटेशन का एक आर्ट है, जिससे किसी चीज की छवि बनाई जाती है। दरअसल, यह मार्केटिंग का ही दूसरा रूप है। एक विजुअल मर्चेंडाइजर का मुख्य ध्येय कस्टमर को प्रोडक्ट के प्रेजेंटेशन के जरिए लुभाना और उन्हें खरीददारी के लिए प्रोत्साहित करना है, ताकि सेल्स में बढ़ोत्तरी हो। ऐसा करने के लिए स्टोर में चीजों को क्रिएटिव ढंग से लगाना, विंडो डिस्प्ले, विजुअल डिस्प्ले, कलर ब्लॉकिंग, काउंटर तथा इन-काउंटर डिस्प्ले जैसे तमाम तरीके इस्तेमाल किए जाते हैं। मॉल का स्टोर के लिए पिक्चर, ब्रोशर और पोस्टर भी यही लोग तैयार करते हैं ताकि कस्टमल से बिना कुछ बोले कम्युनिकेट किया जा सके। ऐसे प्रोफेशनल थीम के अनुसार अपनी स्ट्रेटेजी बदलते रहते हैं। मसलन, किस मौसम में क्या विंडो थीम रखना है? होली, दीपावली जैसे त्योहारों पर या वैलेंटाइन जैसे मौकों पर स्टोर की विंडो थीम क्या होनी चाहिए?

जॉब के अवसर

देश में रिटेल सेक्टर तेजी से विकास कर रहा है। ऑनलाइन शॉपिंग कल्चर भी बढ़ रहा है। वॉलमार्ट, आइटीसी, शॉपर्स स्टॉप, पैंटालून, तनिष्क और टाइटन जैसे ग्रुप छोटे से लेकर बड़े शहरों में दिनोंदिन मल्टीस्टोर खोल रहे हैं। इसलिए विजुअल मर्चेंडाइजर्स के लिए यहां जॉब की संभावनाएं भी बहुत हैं। मॉल्स, फैशन बूटीक्स, फाइव स्टार होटल्स और रेस्टोरेंट में भी ऐसे प्रोफेशनल्स की भारी डिमांड है। विजुअल मर्चेंडाइजिंग के जानकारों के लिए एम्पोरिया, डिजाइन कंपनी, आर्किटेक्चर फर्म तथा थीम पार्टी ऑर्गेनाइजिंग कंपनीज में भी जॉब के तमाम अवसर हैं। युवा चाहें, तो पार्टटाइम के रूप में फ्रीलांसिंग भी कर सकते हैं।

करियर स्कोप

विजुअल मर्चेंडाइजर के लिए करियर स्कोप सिर्फ रिटेल सेक्टर में ही नहीं है। ऐसे प्रोफेशनल्स की वैल्यू ई-कॉमर्स कंपनियों में भी बहुत है, जहां ये स्नैपडील, अमेजन जैसी कंपनियों की वेबसाइट का लुक तैयार करते हैं। प्रोडक्ट डिस्प्ले पर काम करते हैं। इसी तरह रेस्टोरेंट और कैफे में आजकल सीजनल थीम तय करने का काम यही प्रोफेशनल्स कर रहे हैं। इनके हिसाब से ही खाने-पीने की चीजें कस्टमर को परोसे जाते हैं। स्टोर्स में भी प्रोडक्ट डिस्प्ले के लिए इनकी सेवाएं ली जा रही हैं। अच्छी डिजाइनिंग और फैशन सेंस रखने की वजह से टेक्सटाइल इंडस्ट्री में भी इनके लिए स्कोप लगातार बढ़ रहे हैं।

जॉब ग्रोथ

इस फील्ड में ग्रोथ बहुत है। अपने काम के आधार पर आप असिस्टेंट लेवल से लेकर क्लस्टर मैनेजर और ब्रांच मैनेजर तक बन सकते हैं। कई बड़ी कंपनियों की डिप्स्ले टीम में ऐसे प्रोफेशनल शॉप फ्लोर मैनेजर, स्टोर विजुअल मर्चेंडाइजिंग को ऑर्डिनेटर, फ्रीलांस विजुएल डिस्प्ले पर्सन, रिटेल विजुअल मर्चेंडाइजर और असिस्टेंट के तौर पर अपनी सेवाएं देते हैं।

क्वॉलिफिकेशन

विजुअल मर्चेंडाइजिंग फील्ड में प्रवेश के लिए रिटेल या फैशन मर्चेडाइजिंग का बैकग्राउंड होना जरूरी है। ग्रॉफिक डिजाइनिंग के जानकार भी यहां करियर बना सकते हैं। वर्तमान में कई इंस्टीट्यूट विजुअल मर्चेंडाइजिंग या फैशन कम्युनिकेशन में डिग्री, डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स ऑफर कर रहे हैं। डिप्लोमा कोर्स युवा ग्रेजुएशन के बाद कर सकते हैं। वहीं, डिग्री प्रोग्राम के लिए किसी भी स्ट्रीम से टेन प्लस टू उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। विजुअल मर्चेंडाइजिंग कोर्स के अंतर्गत स्टूडेंट को रिटेल स्टोर के लेआउट, डिजाइन स्टोर डिस्प्ले, प्रोडक्ट प्रेजेंटेशन, इंटीरियर डेकोरेशन आदि की जानकारी दी जाती है।

सैलरी पैकेज

रिटेलिंग फील्ड में विजुअल मर्चेंडाइजर को काफी आकर्षक सैलरी मिलती है। करियर के शुरुआती दिनों में ऐसे प्रोफेशनल्स को 35 लाख रुपए तक सैलरी पैकेज आसानी से मिल जाता है। योग्यता और अनुभव के बल पर दो से तीन वर्षों बाद आपका सेलरी पैकेज 4 से 5 लाख रुपए तक पहुंच जाता है। बड़ी कंपनियों में यह पैकेज और भी अधिक हो सकता है। फ्रीलांसर के रूप में भी इस फील्ड में अच्छी कमाई है।

प्रेजेंटेशन पर बढ़ता जोर

देश की जीडीपी बढ़ रही है। खाने-पीने की सुविधा अब बहुत हो गई है। लोगों की स्पेंडिंग कैपिसिटी भी बढ़ गई है। वीकेंड पर घूमने-फिरने का चलन बढ़ रहा है। स्टैंडर्ड लाइफस्टाइल मैंटेन किया जा रहा है। यही वजह है कि देश और विदेश के बड़े ग्रुप के रिटेल स्टोर तेजी से खुल रहे हैं। और उनका विस्तार भी हो रहा है। इनमें प्रतिस्पर्धा भी बढ़ रही है। इसलिए बेहतरीन प्रेजेंटेशन के जरिए प्रोडक्ट बेचने पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है। विजुअल मर्चेंडाइजर के लिए स्कोप रेस्टोरेंट और ब्रांडेड नाम वाले खाने-पीने के स्टोर्स में भी बढ़ रहा है। इसलिए युवाओं के लिए यहां बहुत अच्छा क रियर है।

पाकिस्तान की अदालत ने इमरान के भाषण के सीधे प्रसारण पर लगी रोक हटाई

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की एक अदालत ने सोमवार को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के भाषणों के सीधे प्रसारण पर लगाई गई रोक हटा दी। पाकिस्तान इलेक्ट्रॉनिक मीडिया नियामक प्राधिकरण (पीईएमआरए) ने इमरान द्वारा 20 अगस्त को इस्लामाबाद में एक रैली के दौरान सरकारी संस्थाओं को धमकाने और भड़काऊ भाषण देने के बाद सैटेलाइट टीवी चैनलों पर उनके भाषणों का सीधा प्रसारण करने पर पाबंदी लगा दी थी। 'द डॉन' अखबार के मुताबिक, 69 वर्षीय इमरान की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने मुख्य न्यायाधीश अतहर मिनाल्लाह ने कहा कि नियामक ने 'अपने अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन किया है।' उन्होंने पीईएमआरए को एक अधिकारी नियुक्त करने का निर्देश भी दिया, जो अदालत में इस प्रतिबंध को जायज ठहरा सके। मामले की अगली सुनवई के लिए पांच सितंबर की तारीख निर्धारित की गई है। रैली में दिए संबोधन में इमरान ने अपने सहयोगी शाहबाज गिल के साथ किए गए व्यवहार को लेकर पुलिस के शीर्ष अधिकारियों, पाकिस्तान चुनाव आयोग और राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ मामला दर्ज करने की धमकी दी थी। गिल को देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ पार्टी (पीटीआई) के प्रमुख इमरान ने गिल को दो दिन की पुलिस हिरासत में भेजने की मांग स्वीकारने वाली अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश जेबा चौधरी को भी धमकी दी थी और उनके खिलाफ आपत्तिजनक का इस्तेमाल भी किया था। भाषण के कुछ घंटों बाद पुलिस, न्यायपालिका और अन्य सरकारी संस्थाओं को धमकाने के आरोप में इमरान के खिलाफ आतंकवाद निरोधी कानून के तहत मामला दर्ज किया गया था।

बांग्लादेश ने मोर्टार दागे जाने के मामले में म्यांमा के राजदूत को तलब किया

ढाका। बांग्लादेश ने रविवार को उसके क्षेत्र में दो मोर्टार दागे जाने की घटना पर विरोध जताने के लिए म्यांमा के राजदूत आंग क्यॉ मोए को तलब किया। विदेश कार्यालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि रविवार दोपहर में घूमधूम सीमा पर दो मोर्टार गिरने के कुछ घंटे बाद राजदूत को तलब किया गया था। बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) ने कहा कि मोर्टार फटे नहीं और उन्हें बाद में निष्क्रिय कर दिया गया। विदेश सचिव मसूद बिन मोमीन ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''हमने तत्काल उन्हें (राजदूत को) बुलाया और अपना विरोध दर्ज कराते हुए उन्हें एक राजनयिक पत्र सौंपा।'' उन्होंने कहा, ''हमने उनसे यह सुनिश्चित करने को कहा कि इस तरह की घटना फिर नहीं हो।'' विदेश मंत्रालय और बीजीबी के अधिकारियों ने कहा कि म्यांमा सुरक्षा बलों के हेलीकॉप्टरों ने भी हाल में कम से कम दो बार बांग्लादेश के हवाई क्षेत्र में घुसपैठ की थी। आंग को 21 अगस्त के बाद दूसरी बार रविवार शाम को तलब किया गया था। अधिकारियों के अनुसार आंग को सख्ती से यह बात कही गयी थी कि म्यांमा की ये कार्रवाइयां एक मित्रवत पड़ोसी का काम नहीं हैं। उधर हजारों रोहिंग्या शरणार्थियों ने म्यांमा में सैन्य अभियान के कारण वहां से निकलने के पांच साल होने के मौके पर कॉक्स बाजार में अपने अस्थायी शिविरों में पिछले सप्ताह 'नरसंहार स्मृति दिवस' मनाया था। बांग्लादेश ने अगस्त 2017 से 10 लाख से अधिक रोहिंग्याओं को शरण दी है।

नेपाल में संघर्ष पीड़ितों और कार्यकर्ताओं ने खामियों को लेकर संयुक्त राष्ट्र को पत्र लिखा

काठमांडू। नेपाल सरकार द्वारा संसद में पेश 'संक्रमणकालीन न्याय संशोधन विधेयक' में ''कई खामियों'' का उल्लेख करते हुए संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंतोनियो गुतारेस को संबोधित एक पत्र सोमवार को संघर्ष पीड़ितों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के एक समूह द्वारा संयुक्त राष्ट्र के स्थानीय संयोजक रिचर्ड हॉवर्ड को सौंपा गया। 'संक्रमणकालीन न्याय संशोधन विधेयक' पिछले महीने प्रतिनिधि सभा में पेश किया गया था। पत्र में कहा गया है, ''हमारा मानना है कि जिस विधेयक को सरकार संसद के माध्यम से त्वरित आधार पर आगे बढ़ाना चाहती है, वह गुनहगारों के अनुकूल है। यह न्याय के लिए नेपाल के संघर्ष (1996-2006) के पीड़ितों की वैध मांगों को दबाने का प्रयास करता है, और भविष्य में इस तरह के हिंसक संघर्षों की पुनरावृत्ति की संभावना को भी बढ़ाएगा।'' पत्र में कहा गया है कि ''संक्रमणकालीन न्याय विधेयक'' नेपाल के उच्चतम न्यायालय के निर्देशों का पालन नहीं करता है और न्याय पर अंतरराष्ट्रीय सिद्धांतों का उल्लंघन करता है।'' अखबार 'काठमांडू पोस्ट' की एक खबर के अनुसार विधेयक कहता है कि उग्रवाद के दौरान ''क्रूर हत्या'' या यातना के बाद हत्या, बलात्कार, जबरन गायब करना और निहत्थे या आम लोगों के खिलाफ की गई बर्बरता मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है और माफी योग्य नहीं है। हालांकि, यह विधेयक गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन के तहत युद्ध अपराधों और मानवता के खिलाफ अपराधों को सूचीबद्ध नहीं करता है। विधेयक में पूर्व नाबालिग लड़ाकों की चिंताओं को दूर करने का कोई प्रावधान नहीं है।

जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव से विश्व में फैल रही गंभीर बीमारियां : अध्ययन

लंदन । पृथ्वी पर बढ़ती गर्मी के चलते जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव इंसानों पर गंभीर बीमारी बनकर कहर बरपा रहे है। हर उम्र के लोग किसी न किसी बीमारी से जूझ रहे हैं। सर्दी, जुकाम से लेकर गंभीर बीमारियों का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। दुनियाभर में इन बीमारियों की वजह से हर साल करोड़ों लोग जान गंवा रहे हैं। विश्व का कोई भी कोना हो, हर तरफ बीमारियों की वजह से हाहाकार मचा हुआ है। मेडिकल साइंस की तमाम कोशिशों के बावजूद बीमारियों पर लगाम नहीं लग पा रहा है। आपने कभी सोचा है कि ऐसा क्यों हो रहा है? एक ताजा अध्ययन में बीमारियां फैलने की सबसे बड़ी वजह का खुलासा हुआ है, जिसे जानकर आप हैरान रह जाएंगे।

एक मेडिकल रिपोर्ट के मुताबिक, ताजा अध्ययन में खुलासा हुआ है कि बढ़ती बीमारियों की सबसे बड़ी वजह क्लाइमेट चेंज यानी जलवायु परिवर्तन है। स्टडी में पता चला है कि दुनियाभर में इंसानों को प्रभावित करने वाली 375 संक्रामक बीमारियों में से 58 फीसदी डिजीज का प्रकोप क्लाइमेट चेंज की वजह से बढ़ गया है। ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन जलवायु संबंधी खतरों को बढ़ा रहा है, जिसके कारण इंसान मौत के मुंह में जा रहे हैं। बैक्टीरिया और वायरस फैलने के लिए क्लाइमेट में बदलाव काफी हद तक जिम्मेदार हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि भविष्य में अगर क्लाइमेट चेंज को लेकर सख्त कदम नहीं उठाए गए तो परिस्थितियां ज्यादा गंभीर हो सकती हैं।

शोधकर्ताओं ने इन्फ्लुएंजा, मलेरिया और सार्स जैसे रोगों को प्रभावित करने वाले जलवायु खतरों की तलाश में 77000 से ज्यादा स्टडीज की जांच की। इनमें पता चला कि ज्यादा गर्मी, सूखा, जंगल की आग, अत्यधिक वर्षा, बाढ़, तूफान। समुद्र के लेवल में वृद्धि, महासागरीय जलवायु परिवर्तन और भूमिगत बदलाव बीमारियों की प्रमुख वजह बनकर सामने आए हैं। इन कारणों की वजह से मलेरिया, इंफ्लुएंजा, सार्स, अस्थमा, स्किन एलर्जी जैसे रोग गंभीर स्वास्थ्य समस्या बन रहे हैं। स्टडी के निष्कर्ष में पता चला कि जलवायु परिवर्तनों की वजह से 277 रोग बढ़ गए हैं। कुल मिलाकर शोधकर्ताओं ने पाया कि सभी संक्रामक रोगों में से 58 फीसदी ने दुनिया भर में इंसानों को बुरी तरह प्रभावित किया है।

महिला को नीलामी में खरीदें घर में गुप्त तिजोरी में मिले दूसरे विश्व युद्ध से जुड़े दस्तावेज, बुलाई पुलिस

लॉस एंजेलिस । अमेरिका में एक महिला ने एक आवास को नीलामी में खरीदा और उसके रिनोवेशन के दौरान उसे एक गुप्त तिजोरी मिली। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 28 साल की टिफनी मा कैलिफोर्निया के लॉस एंजेलिस में रहती हैं। उन्होंने अपने पार्टनर मैट के साथ मिलकर एक घर खरीदा और उसे रेनोवेट करने के बारे में सोचा। उन्होंने घर को नीलामी में खरीदा था और बिना देखे ही उसे ले लिया था। जब वो घर पहुंचीं तो उन्होंने पाया कि पुराने मालिक से जुड़ी कई चीजें पहले से ही उस घर में मौजूद हैं। पुराना टीवी सेट, सोफा, अन्य फर्नीचर उस घर में देखने को मिल रहे थे मगर अचानक टिफनी की नजर एक खुफिया तिजोरी पर गई जिसे पूरी तरह से सील कर दिया गया था।

महिला ने तुरंत उसे काटने के लिए लोगों को बुलाया और जब अंदर के सामान को देखा तो उसके होश उड़ गए। उसमें ऐसी-ऐसी चीजें थीं जिसे देखकर लग रहा था कि वो किसी को ब्लैकमेल करने के लिए रखी गई हैं। उस तिजोरी में किसी शख्स की महिलाओं के साथ आपत्तिजनक स्थिति में तस्वीरें थीं, इंगेजमेंट रिंग थी, इंश्योरेंस के कागज थे और दूसरे विश्व से जुड़ा एक चाकू था जिसमें नाजियों का निशान बना था। अपने इस पूरे अनुभव को टिफनी ने एक वीडियो के माध्यम से लोगों को बताया। हालांकि, रिपोर्ट के मुताबिक टिकटॉक पर उनका एक वीडियो इन्हीं सामानों को एक्सप्लोर करते हुए वायरल हो रहा है। टिफनी ने कहा कि जैसे ही उन्होंने ये तमाम चीजें देखीं तो वो समझ गईं कि जरूर ये सब किसी को ब्लैकमेल करने के लिए रखे गए होंगे इसलिए फौरन उन्होंने पुलिस को फोन कर दिया।

वेस्ट लंदन में नौटिंग हिल समारोह में भाग लेते हुए कलाकार।

कनाडा में सड़क का नाम एआर रहमान के नाम पर रखा गया, संगीतकार ने आभार जताया

न्यूयॉर्क। कनाडा के मरखम शहर में एक सड़क का नाम विश्व विख्यात संगीतकार एआर रहमान के नाम पर रखा गया है, जिसके बाद भारतीय गायक ने कहा कि वह अब कड़ी मेहनत करते रहने तथा लोगों को प्रेरित करने की अधिक जिम्मेदारी महसूस करते हैं। भारतीय फिल्म उद्योग में इस महीने तीन दशकों का सफर पूरा करने वाले रहमान ने कनाडा के ओंटारियो में मरखम के प्राधिकारियों के प्रति ट्विटर पर आभार व्यक्त किया। कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से नवाजे जा चुके रहमान(55) ने कहा, ''मैंने अपने जीवन में कभी इसकी कल्पना नहीं की थी। मैं आप सभी, कनाडा के मरखम के मेयर तथा काउंसिलर्स, भारतीय महावाणिज्य दूत (अपूर्व श्रीवास्तव) तथा कनाडा के लोगों का बेहद आभारी हूं।'' उन्होंने कहा, ''मुझे ऐसा लगता है कि इससे मुझे और अधिक काम करने तथा प्रेरित करने, न थकने और अभी न रुकने की बड़ी जिम्मेदारी मिली है। अगर मैं थक भी जाता हूं तो मैं याद रखूंगा कि मेरे पास करने के लिए और चीजें हैं, और लोगों से जुड़ना है, और पुलों को पार करना है।'' वह अभी अपने संगीत कार्यक्रम के सिलसिले में कनाडा में हैं। मरखम शहर ने एलान किया है कि रहमान के सम्मान में एक सड़क का नाम उनके नाम पर रखा जाएगा। संगीतकार ने कहा, ''ए आर रहमान नाम मेरा नहीं है। इसका मतलब है दयालु। दयालुता हम सभी के ईश्वर का गुण है और कोई व्यक्ति इस दयालुता का केवल सेवक हो सकता है इसलिए इस नाम को कनाडा में रह रहे सभी लोगों के लिए शांति, समृद्धि, खुशी तथा स्वास्थ्य लाने दीजिए।

इराक में श्रीलंका जैसा हाल, संसद से राष्ट्रपति भवन तक प्रदर्शन, देशव्यापी कर्फ्यू

बगदाद (एजेंसी)।

इराक में इरान समर्थक मोहम्मद अल सुदानी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाए जाने का विरोध अचानक हिंसकहो गया। श्रीलंका की तरह वहां भी विरोध जताने के लिए हजारों प्रदर्शनकारी संसद में दाखिल हो गए। जिसकी वजह से हालात बेकाबू हो गए। इराक की राजधानी बगदाद से जो तस्वीरें सामने आई उसमें हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारी दीवारें फांद कर संसद के अंदर दाखिल होते दिखाई दिए। एक अन्य तस्वीर में विरोध कर रहे लोग संसद में अंदर हंगामा करते नजर आए। खबर है कि जिस इलाके में प्रदर्शनकारियों ने कब्जा जमाया है वहां न केवल संसद है बल्कि तमाम देशों के दूतावास भी हैं।

इराक के प्रभावशाली शिया धर्मगुरु मुक्तदा अल-सदर द्वारा राजनीति से हटने की घोषणा के बाद सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने बगदाद में इराकी संसद पर धावा बोल दिया। नाराज अनुयायियों ने महल के फाटकों की ओर जाने वाले अवरोधों को गिराने के लिए रस्सियों का इस्तेमाल किया और सुरक्षा बलों से भिड़ गए। इस दौरान अल-सद्र के समर्थकों और सुरक्षा बलों के बीच हिंसक झड़प हुई जिसमें कम से कम 15 प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई। इराक की सेना ने बढ़ते तनाव को शांत करने के उद्देश्य से शहर भर में कर्फ्यू की घोषणा कर दी। इराक के कार्यवाहक प्रधानमंत्री मुस्तफा अल-कदीमी ने कैबिनेट का सत्र निलंबित कर दिया।

बता दें कि इराक में 10 अक्टूबर को आम चुनाव हुए है, जिसे 2003 में सद्दाम हुसैन के अमेरिका द्वारा अपदस्थ करने के बाद का पांचवां संसदीय चुनाव कहा गया। अक्टूबर 2021 में हुए चुनाव में अल-सदर के गुट ने 73 सीटें जीती थीं। अल-सदर चुनाव में 329 सीटों वाली संसद में सबसे बड़ा गुट बन गया था, लेकिन वोटिंग के बाद से नई सरकार के गठन की बातचीत रुक गई है। अल-सद्र ने बातचीत की प्रक्रिया से खुद को बाहर कर लिया। नई सरकार के गठन को लेकर गतिरोध बना हुआ है।

पाकिस्तान में बाढ़ के कारण मृतकों की संख्या 1136 हुई

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान में आई विनाशकारी बाढ़ के कारण मरने वालों की संख्या सोमवार को 1136 हो गई। देश में आर्थिक संकट के बीच प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार की अपील के बाद अंतरराष्ट्रीय सहायता पहुंचने लगी है। बाढ़ की विभीषिका का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि 3.3 करोड़ लोगों को यानी देश की कुल आबादी के करीब सातवें हिस्सा को विस्थापित होना पड़ा है। पाकिस्तानी जलवायु परिवर्तन मंत्री शेरी रहमान ने इसे दशक का सबसे भयावह मानसून कहा, वहीं वित्त मंत्री मिफ्ता इस्माइल ने कहा कि बाढ़ के कारण पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को 10 अरब डॉलर तक का नुकसान हुआ है।

प्राकृतिक आपदाओं से निपटने वाले मुख्य राष्ट्रीय संगठन राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा सोमवार को जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, बाढ़ के कारण कम से कम 1136 लोग मारे गए हैं जबकि 1,634 लोग घायल हुए हैं। प्राधिकरण ने कहा कि करीब 9,92,871 घर पूरी तरह या आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए हैं जिससे लाखों लोग भोजन व स्वच्छ पेयजल आदि से वंचित हो गए हैं। इसके साथ ही करीब 7.19 लाख पशु भी मारे गए हैं और लाखों एकड़ उपजाऊ भूमि लगातार बारिश से जलमग्न हैं।

'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने कहा कि मृतकों की संख्या काफी अधिक हो सकती है क्योंकि खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हजारों गांव देश के बाकी हिस्सों से कटे हुए हैं और नदियों में उफान से सड़कें और पुल क्षतिग्रस्त हो गए हैं। 'जियो टीवी' की एक खबर के अनुसार, पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्रालय ने कहा कि सिंध और बलूचिस्तान प्रांतों में बिजली की बहाली सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस भीषण आपदा का सामना करने में मुश्किलों से जूझ रहे पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय मदद मांगी है और कई देशों ने एकजुटता संदेशों के साथ मानवीय सहायता भेजी है।

अफगानिस्तान में आईएसआईएल-के की उपस्थिति काफी बढ़ी, भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बताया

जिनेवा (एजेंसी)।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से कहा कि अफगानिस्तान में आईएसआईएल-के की उपस्थिति काफी बढ़ी है। साथ ही भारत ने आगाह किया कि पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे प्रतिबंधित संगठनों के बीच संबंध और अन्य आतंकवादी संगठनों के भड़काऊ बयान क्षेत्र की शांति एवं स्थिरता के लिए खतरा हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा, जैसा कि हमने सुरक्षा परिषद में बार-बार कहा है.. एक निकटवर्ती पड़ोसी और लंबे समय से हमारे साझेदार होने, अफगानिस्तान के लोगों के साथ हमारे मजबूत ऐतिहासिक तथा सभ्यतागत संबंधों के मद्देनजर अफगानिस्तान में शांति एवं स्थिरता की वापसी सुनिश्चित करने के संबंध में भारत के सीधे हित जुड़े हैं।'' रूस के अनुरोध पर अफगानिस्तान पर बुलाई गई संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की बैठक में कंबोज ने इस बात पर जोर दिया कि आतंकवाद पर 1988 प्रतिबंध समिति की 'एनालिटिकल सपोर्ट एंड द सैंक्शन मॉनिटरिंग टीम की रिपोर्ट के हालिया निष्कर्ष बताते हैं कि अफगानिस्तान में मौजूदा अधिकारियों को अपनी आतंकवाद रोधी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए और अधिक कड़ी कार्रवाई करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, देश में आईएसआईएल-के की मौजूदगी और हमले करने की उनकी ताकत में काफी वृद्धि हुई है। (कथित रूप से अफगानिस्तान स्थित) आईएसआईएल-के अन्य देशों के लिए भी आतंकवाद संबंधी खतरा उत्पन्न करता है।''

सुरक्षा चिंताओं के बीच आईएईए की टीम यूक्रेन के परमाणु संयंत्र की जांच करेगी

बर्लिन (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र के परमाणु नियामक अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) की एक टीम ने यूक्रेन में जारी संघर्ष के बीच सोमवार को जापोरिज्जिया परमाणु संयंत्र की यात्रा शुरू की। परमाणु संयंत्र का निरीक्षण आईएईए का बहुप्रतीक्षित मिशन है, जिसके माध्यम से दुनिया को एक तबाही से बचाने की कवायद की जा सकेगी। आशा की दुर्लभ किरणों के बीच यूक्रेन और रूस ने फिर से एक-दूसरे पर संयंत्र के चारों ओर व्यापक क्षेत्र पर गोलाबारी करके संघर्ष को भड़काने का आरोप लगाया है,जो पिछले सप्ताह से कुछ थम सा गया था।

इस प्रकार की त्रासदी से बचने के लिए आईएईए के महानिदेशक रफेल ग्रोसी ने काफी समय पहले से यूरोप के सबसे बड़े जापोरिज्जिया परमाणु संयंत्र में विशेषज्ञों के प्रवेश की अनुमति मांग रखी थी। यूक्रेन के साथ युद्ध शुरू होने के शीघ्र बाद रूसी सैन्यबलों ने जापोरिज्जिया परमाणु संयंत्र पर कब्जा कर लिया था। ग्रोसी ने ट्वीट किया, ''आखिर वह दिन आ गया। सहयोग एवं सहायता मिशन...रवाना हो चुका है।'' ग्रॉसी ने अधिक सटीक समयरेखा प्रदान नहीं की या 13 अन्य विशेषज्ञों के साथ अपनी तस्वीर पोस्ट करने के अलावा और कोई विवरण नहीं दिया।

आईएईए ने ट्वीट किया कि विशेषज्ञ संयंत्र को भौतिक रूप से हुए नुकसान का आकलन करेंगे, '' सुरक्षा प्रणालियों की कार्यक्षमता का पता लगाएंगे'' और कर्मचारियों की स्थिति सहित अन्य चीजों का मूल्यांकन करेंगे। रूस और यूक्रेन ने इस परमाणु ऊर्जा संयंत्र में या उसके आस-पास हाल ही में रॉकेट तथा तोपों से हमलों का दावा किया है। इन हमलों से विकिरण का रिसाव बढ़ने की आशंका तेज हो गई है। ऐसे में विशेषज्ञों के जल्द वहां पहुंचने की खबर बेहद महत्वपूर्ण है। यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने कहा कि इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं है कि यह मिशन आईएईए के इतिहास का सबसे कठिन मिशन होगा।

कुलेबा ने स्टॉकहोम में कहा, ''हम (आईएईए) मिशन से सभी परमाणु सुरक्षा प्रोटोकॉल के उल्लंघन के तथ्यों के स्पष्ट बयान की उम्मीद करते हैं। हम जानते हैं कि रूस न केवल यूक्रेन, बल्कि पूरी दुनिया को परमाणु दुर्घटना के खतरे में डाल रहा है।'' मॉस्को में क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने यूक्रेन पर संयंत्र में और उसके आसपास गोलाबारी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''हमारा मानना ??है कि सभी देशों को यूक्रेन पर दबाव बनाना चाहिए और उसे ज़ापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र और आसपास के क्षेत्रों में गोलाबारी करके यूरोपीय महाद्वीप को खतरे में डालने से रोका जाना चाहिए।''

यूक्रेन की परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने एक नक्शे के जरिये अपना पूर्वानुमान पेश किया है कि रूसी सेना के नियंत्रण वाले जापोरिज्जिया संयंत्र से किन-किन इलाकों में विकिरण फैल सकता है। यूक्रेन के राष्ट्रपति कार्यालय ने दक्षिणी खेरसॉन क्षेत्र में भारी जंग जारी रहने और कई यूक्रेनी हमलों की सूचना दी है। खेरसॉन क्षेत्र में से अधिकांश पर रूसियों का कब्जा है।

रूस ने दुगिना की मौत मामले में दूसरे संदिग्ध की पहचान की

मास्को (एजेंसी)।

रूस की शीर्ष सुरक्षा एजेंसी ने सोमवार को एक अन्य यूक्रेनी संदिग्ध की पहचान की और आरोप लगाया कि वह रूसी राष्ट्रवादी विचारक अलेक्जेंडर दुगिन की बेटी की हत्या में शामिल था। रूस की संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसबी) ने कहा कि यूक्रेनी नागरिक बोगदान सिगानेंको ने अलेक्जेंडर दुगिन की बेटी दरिया दुगिना की हत्या की तैयारी में मदद की। दुगिन को पश्चिमी देशों में कुछ लोग ''पुतिन का दिमाग'' कहते हैं। एफएसबी ने आरोप लगाया कि सिगानेंको ने मुख्य संदिग्ध नताल्या वोवक को एक जाली पहचानपत्र व जाली लाइसेंस प्लेट मुहैया कराई थी तथा विस्फोटक उपकरण को जोड़ने में उसकी मदद की थी, जो दुगिना की कार में लगाया गया था।

एफएसबी ने कहा कि 44 वर्षीय सिगानेंको 30 जुलाई को एस्टोनिया के रास्ते रूस पहुंचा और उसने हत्या से एक दिन पहले देश छोड़ दिया। अधिकारियों ने कहा कि एक राष्ट्रवादी रूसी टीवी चैनल में समीक्षक दुगिना (29) की उस समय मौत हो गई थी, जब 20 अगस्त की रात उसकी एसयूवी में लगाए गए विस्फोटक उपकरण में एक रिमोट कंट्रोल से विस्फोट किया गया था। यह घटना उस समय हुई थी, जब दुगिना मास्को के बाहरी इलाके में सफर कर रही थीं। इस विस्फोट से वाहन में आग लग गई थी और दुगिना की मौके पर ही मौत हो गई थी। दुगिना और उसके पिता दुगिन, दोनों ने यूक्रेन में सेना भेजने के रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के फैसले का जोरदार समर्थन किया था।

दुगिन एक दार्शनिक, लेखक और राजनीतिक सिद्धांतकार हैं। एफएसबी ने कहा कि दुगिना की हत्या का षड्यंत्र ''यूक्रेन की विशेष सेवाओं द्वारा तैयार और नियोजित'' किया गया था तथा वोवक पर हत्या को अंजाम देने और फिर एस्टोनिया भागने का आरोप लगाया गया है। एफएसबी के अनुसार, वोवक जुलाई में अपनी 12 वर्षीय बेटी के साथ रूस पहुंची और उस इमारत में एक अपार्टमेंट किराए पर लिया, जहां दुगिना रहती थी। एजेंसी ने आरोप लगाया कि वोवक और उसकी बेटी ने उस राष्ट्रवादी उत्सव में भी हिस्सा लिया था, जिसमें दुगिन और उनकी बेटी हत्या से ठीक पहले शामिल हुए थे।

एजेंसी ने सोमवार को कहा कि सिगानेंको ने वोवक को कजाकिस्तानी लाइसेंस प्लेट और यूलिया जाइको नाम से एक जाली कजाकिस्तानी पहचानपत्र प्रदान किया था। हालांकि, यूक्रेन ने दुगीना की मौत में किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार किया है। वहीं, एस्टोनियाई अधिकारियों ने कहा कि उन्हें वोवक के संबंध में रूस से कोई औपचारिक अनुरोध नहीं मिला है।

सार समाचार

पिछले साल दिहाड़ी मजदूरों, स्वरोजगार से जुड़े लोगों, बेरोजगारों ने सर्वाधिक आत्महत्या की

नई दिल्ली । दैनिक मजदूरों, स्वरोजगार से जुड़े लोगों, बेरोजगारों और खेती किसानी से संबद्ध लोगों ने 2021 में सर्वाधिक संख्या में आत्महत्या की। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। उल्लेखनीय है कि 2021 कोविड-19 महामारी का वर्ष था। एनसीआरबी की एक नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, देश भर में 2021 में कुल 1,64,033 लोगों ने आत्महत्या की। रिपोर्ट के अनुसार 2021 में 1,18,979 पुरुषों ने आत्महत्या की, जिनमें से 37,751 दिहाड़ी मजदूर, 18,803 स्वरोजगार से जुड़े लोग और 11,724 बेरोजगार शामिल थे। आंकड़ों के अनुसार, 2021 में 45,026 महिलाओं ने आत्महत्या की। रिपोर्ट के अनुसार, कृषि क्षेत्र से संबद्ध 10,881 लोगों ने आत्महत्या की, जिनमें से 5,318 किसान और 5,563 खेत मजदूर थे। 5,318 किसान में से 5107 पुरुष और 211 महिलाएं थीं। 5,563 खेत मजदूरों में से 5,121 पुरुष तथा 442 महिलाएं थीं। आंकड़ों के अनुसार, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, ओडिशा, त्रिपुरा, मणिपुर, अरूणाचल प्रदेश, उत्तराखंड, चंडीगढ़, लक्षद्वीप और पुडुचेरी जैसे कुछ राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में किसी किसान या खेत मजदूर ने आत्महत्या नहीं की। रिपोर्ट के अनुसार, कृषि क्षेत्र से जुड़े सर्वाधिक संख्या में,37 ।3 प्रतिशत लोगों ने महाराष्ट्र में आत्महत्या की। इसके बाद, कर्नाटक (19 ।9 प्रतिशत), आंध्र प्रदेश (9 ।8 प्रतिशत), मध्य प्रदेश (6 ।2 प्रतिशत) और तमिलनाडु (5 ।5 प्रतिशत) का स्थान है। आंकड़ों के अनुसार, 2021 में आत्महत्या करने वाले 1,64,033 लोगों में निजी क्षेत्र के उद्यमों में कार्यरत 7 ।0 प्रतिशत यानी 11,431 लोग थे, जबकि 1 ।2 प्रतिशत यानी 1,898 सरकारी कर्मचारी थे। स्वरोजगार से जुड़े 20,231 लोगों ने आत्महत्या की। रिपोर्ट के अनुसार, 2021 में आत्महत्या करने वाले 1,05,242 लोगों की वार्षिक आय एक लाख रुपये से कम थी, जबकि 51,812 लोग एक लाख रुपये से पांच लाख रुपये तक की वार्षिक आय वर्ग के थे।

बिना सहमति के बिहार में सीबीआई की छापेमारी के विरोध में महागठबंधन नेता आमने-सामने

पटना । बिहार में इस बीच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की बिना अनुमति छापेमारी को लेकर सत्तारूढ़ महाठबंधन के घटक दलों के नेता आमने-सामने आ गए हैं। सत्ताधारी महागठबंधन नेताओं ने रविवार को पटना में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में सीबीआई, ईडी को लेकर भाजपा पर निशाना साधा था। हाल ही में राजद के कई नेताओं के ठिकानों पर सीबीआई द्वारा की गई छापेमारी के बाद महागठबंधन के नेता भाजपा पर सीबीआई का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया था। राजद के नेता और पूर्व सांसद शिवानंद तिवारी ने सोमवार को कहा कि बिहार सरकार को सीबीआई के बिहार में प्रवेश की अपनी सहमति वापस लेने पर विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी की सरकार सीबीआई का जिस प्रकार दुरूपयोग कर रहे हैं उससे बाध्य होकर राज्य सरकारों को यह कदम उठाना पड़ा है। उन्होंने कहा कि अब तक नौ राज्यों ने अपनी सहमति वापस ले ली है। 2015 में मिजोरम की सरकार पहली सरकार थी जिसने अपने राज्य में सीबीआई की जांच की सहमति वापस ली। उसके बाद से प्रत्येक मामले की जांच के लिए सीबीआई को राज्य सरकार से अलग अलग सहमति लेनी होगी। इधर, इस संबंध में जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि कौन क्या बोल रहा है, मुझे पता नहीं। इस बीच, भाजपा ने इसे लेकर मोर्चा खोल दिया है। विधानसभा में विपक्ष के नेता विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि संवैधानिक एजेंसियों को कोई नहीं रोक सकता। भाजपा के नेता ने कहा कि बिहार में भ्रष्टाचारियों को इतनी बेचनी क्यों है। सिन्हा ने कहा महागठबंधन के नेता संवैधानिक संस्थाओं को अपमानित करने में जुटे हैं।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में हुई साइबर अपराधों में बढ़ोत्तरी, 2021 से अबतक 111 प्रतिशत की वृद्धि

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की एक रिपोर्ट के अनुसार 2021 में राष्ट्रीय राजधानी में इससे पिछले वर्ष की तुलना में साइबर अपराध में 111 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। मामले बढ़ने का सबसे बड़ा कारण यौन शोषण बताया गया है। आंकड़ों के अनुसार, इनमें से अधिकतर मामले ऑनलाइन धोखाधड़ी, ऑनलाइन उत्पीड़न, कामुक सामग्री के प्रकाशन आदि से जुड़े थे। दिल्ली पुलिस द्वारा साइबर अपराध के लिए एक अलग शाखा के साथ-साथ एक सोशल मीडिया सेंटर बनाने के बावजूद इन मामलों में बढ़ोतरी देखी गई है। आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल साइबर अपराध के 356 से अधिक मामले सामने आए, जिसमें से अधिकतर अपराधियों के खिलाफ कामुक सामग्री के प्रकाशन और प्रसारण के संबंध में मामला दर्ज किया गया है। आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि इन अपराधों को अंजाम देने का मकसद धोखाधड़ी, यौन शोषण और जबरन वसूली करना था। शिकायत करने वालों में ज्यादातर 12 से 17 साल की उम्र की नाबालिग लड़कियां थीं। पुलिस उपायुक्त (साइबर अपराध) के.पी.एस. मल्होत्रा ने कहा, '' कोविड-19 (वैश्विक महामारी) के बाद से हम ऑनलाइन मामले अधिक दर्ज कर रहे हैं। हमने वित्तीय धोखाधड़ी और यौन शोषण के मामलों में वृद्धि देखी है।'' उन्होंने कहा, '' हम केवल शिकायतों का ही नहीं, बल्कि सोशल मीडिया पोस्ट का भी संज्ञान लेते हैं।

जयललिता की मौत से संबंधित आयोग की रिपोर्ट विधानसभा में पेश करने का फैसला

चेन्नई। तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जे. जयललिता की मौत से संबंधित परिस्थितियों की जांच करने वाले न्यायमूर्ति अरुमुगस्वामी आयोग की रिपोर्ट में उनकी करीबी वी.के. शशिकला और अन्य के खिलाफ कार्रवाई करने की सिफारिश की गई है और इस मामले पर कानूनी विशेषज्ञों के साथ चर्चा की जाएगी। तमिलनाडु सरकार ने सोमवार को यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन की अध्यक्षता में हुई राज्य के मंत्रिमंडल की बैठक में आयोग की रिपोर्ट को तमिलनाडु विधानसभा में पेश करने का फैसला भी लिया गया। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, 22 सितंबर, 2016 को जयललिता के अस्पताल में भर्ती होने और उन्हें प्रदान किए गए उपचार समेत विभिन्न पहलुओं पर इस रिपोर्ट में प्रकाश डाला गया है। न्यायमूर्ति अरुमुगस्वामी ने यह रिपोर्ट स्टालिन को सौंप दी थी, जिसके दो दिन बाद मंत्रिमंडल की बैठक में इस पर विस्तार से चर्चा की गई। रिपोर्ट में कहा गया है, 卐कैबिनेट ने रिपोर्ट पर कानूनी विशेषज्ञों की राय लेने का फैसला किया है, जिसमें वीके शशिकला, शिवकुमार, तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री सी. विजयभास्कर और तत्कालीन मुख्य सचिव राम मोहन राव व अन्य के खिलाफ सरकारी जांच की सिफारिश की है। चर्चा के बाद इसे तमिलनाडु विधानसभा में पेश किया जाएगा। पांच दिसंबर, 2016 को जयललिता का निधन हो गया था। पिछली अन्नाद्रमुक सरकार द्वारा गठित अरुमुगस्वामी आयोग ने 22 नवंबर 2017 को जांच शुरू की थी। मद्रास उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश इसके अध्यक्ष थे।

उत्तराखंड में प्लास्टिक प्रतिबंध की स्थिति का आंकलन स्वय मुख्य न्यायाधीश करेंगे

नैनीताल। उत्तराखंड में प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने के बार-बार दिए आदेशों का पालन न होने के बाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने अब स्वयं विभिन्न जगहों का दौरा करने तथा स्थिति का आकलन करने का बीड़ा उठाया है। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर कर कहा था कि प्रदेश में प्लास्टिक को प्रतिबंधित करने के आदेशों का पालन नहीं किया जा रहा है। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि आदेश को वास्तव में जमीन पर लागू नहीं किया गया है और इसका पालन केवल कागजों में हो रहा है। मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी ने कहा कि स्थिति का आकलन स्वयं उनके, अन्य न्यायाधीशों तथा अदालत के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसकी शुरूआत आठ सितंबर को दोपहर दो बजे से धानाचूली से की जाएगी। निरीक्षण समिति में उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, जनहित याचिका दायर करने वाले राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव, सरकारी अधिवक्ता, जिलाधिकारी , जिला पंचायत अधिकारी, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के स्थानीय अधिकारी और ग्राम विकास अधिकारी शामिल रहेंगे। उच्च न्यायालय ने कहा कि इस मामले में आगे की कार्रवाई इस निरीक्षण के परिणाम के अनुसार होगी।
इससे पहले, उच्च न्यायालय ने सभी जिलाधिकारियों से 2017 में तय किए गए नियमों के अनुसार प्लास्टिक कूड़े के सही ढंग से निस्तारण की दिशा में काम करने को कहा था। उच्च न्यायालय के ये आदेश अल्मोडा निवासी जीतेंद्र यादव द्वारा दायर जनहित याचिका पर आए थे। अदालत ने जिलाधिकारियों से मामले में न्यायालय में प्रगति रिपोर्ट दाखिल करने को भी कहा था। हालांकि, अदालत में कोई रिपोर्ट दाखिल नहीं की गयी। वर्ष 2017 के नियमों में कहा गया है कि प्लास्टिक आपूर्तिकर्ता जितने प्लास्टिक की आपूर्ति करेंगे, उतनी ही मात्रा में प्लास्टिक वापस लेंगे और उसका पुनर्चक्रीकरण करेंगे।

भाजपा पर बरसे केजरीवाल, कहा- ये अन्ना हजारे जी के कांधे पर बंदूख रख के चला रहे हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली में शराब नीति को लेकर भाजपा और आम आदमी पार्टी एक दूसरे पर जबरदस्त तरीके से हमलावर है। पिछले कई दिनों से दोनों दल एक दूसरे पर लगातार हमला कर रहे हैं। इन सबके बीच आज अन्ना हजारे ने भी शराब नीति को लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पत्र लिख दिया है। अब इसी पर अरविंद केजरीवाल ने अपनी टिप्पणी दी है। उन्होंने भाजपा पर पलटवार किया है। न्यूज़ एजेंसी एएनआई के मुताबिक अन्ना हजारे ने कहा कि वे (भाजपा) कहते रहे हैं कि शराब नीति में घोटाला हुआ है, लेकिन सीबीआई ने कहा कि कोई घोटाला नहीं है। जनता इनकी बात नहीं मान रही है तो अब ये अन्ना हजारे जी के कांधे पर बंदूख रख के चला रहे हैं।

दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें किसी भी जांच के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। सीबीआई ने अपनी सारी जांच पूरी कर ली है। मनीष सिसोदिया से 14 घंटे तक पूछताछ की। उन्होंने उनके सवालों का संतोषजनक जवाब दिया। उनके लॉकर में कुछ नहीं मिला। उन्हें अनौपचारिक क्लीन चिट दे दी गई है। उन्होंने कहा कि अब जबकि सीबीआई जांच से कुछ नहीं निकला, इसमें राजनीति नहीं होनी चाहिए। अब इस बात की जांच होनी चाहिए कि वे दिल्ली में विधायकों को 20-20 करोड़ रुपये में कैसे खरीदना चाहते थे। अगर हम इससे नहीं भागे, तो वे क्यों? इससे पहले अन्ना हजारे ने कहा कि हर वार्ड में उन्होंने (सीएम केजरीवाल) शराब की दुकान खोली और आयु सीमा 25 वर्ष से 21 वर्ष कर दी। वे शराब का प्रचार कर रहे हैं।

इसके साथ ही अन्ना ने कहा कि मैंने इसके खिलाफ उनको पहली बार चिट्ठी लिखी। जब मैं विरोध कर रहा था तो वो मुझे अपना 'गुरु' कहते थे, अब वो भावनाएं कहां हैं? सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर उनकी सरकार की नयी आबकारी नीति की निंदा की है और लिखा है कि मुख्यमंत्री 'सत्ता के नशे में चूर लगते हैं'। हजारे ने यह भी कहा है कि एक ऐतिहासिक आंदोलन को नुकसान पहुंचाने के बाद जन्मी पार्टी अब दूसरे दलों के रास्ते पर है, जो पीड़ादायी है। हजारे ने कहा कि नयी नीति से शराब की बिक्री और खपत को बढ़ावा मिलेगा तथा भ्रष्टाचार भी बढ़ेगा।

मुख्तार अब्बास नकवी बोले, प्रधानमंत्री मोदी ने 'परिवार की परिक्रमा पॉलिटिक्स' को परास्त किया

बिजनौर। (एजेंसी)।

वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने आज यहां कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कामयाबी 'पानी का बुलबुला नहीं, परिश्रम का सिला है'। आज नजीबाबाद, बिजनौर में दरगाह नजफे हिन्द में जियारत के बाद नकवी ने कहा कि पीएम मोदी ने 'परिश्रम के परिणाम' से 'परिवार की परिक्रमा पॉलिटिक्स' को परास्त किया है। नकवी ने कहा कि सियासत, 'परिवार की विरासत के पालने' से बाहर निकल कर, ग़रीबों के चौके, चूल्हे, चौखट के सरोकार की प्राथमिकता बन गई है। हिंदुस्तान का यह बदलाव मोदी के 'परिश्रम का परिणाम, तपस्या की ताकत' का नतीजा है। नकवी ने कहा कि देश को संकट से बाहर निकालकर, ग़रीबों के आत्मविश्वास को ताकत, देश की समृद्धि, सुरक्षा, सम्मान मोदी की राष्ट्रनीति का नतीजा है। नकवी ने कहा कि श्री मोदी, भारतीय राजनीति के 'शुद्धीकरण के संत' साबित हुए हैं, जिन्होंने 'परिश्रम की पराकाष्ठा' और 'सुधार के संकल्प' से सियासत को संकीर्णता, सामन्ती सनक और स्वार्थ के संकट से बाहर निकाला है। नकवी ने कहा कि श्री मोदी के नेतृत्व में 'डेमोक्रेटिक संस्कार', 'डायनेस्टिक अहंकार' को पछाड़ कर 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के सफल सफर को सार्थक कर रहा है। नकवी ने कहा कि 'गुनाहों की गठरी' पर 'पाप के पैबंद का पराक्रम' पिट चुका है। कांग्रेस 'मुल्क की पार्टी से मोहल्ले की महंगी' हो गई है, जिसका अन्दर कोई मोल नहीं, बाहर कोई भाव नहीं।

एलएसी के पास भारत और अमेरिकी सेना करेगी संयुक्त सैन्य अयास, चीन हो रहा लाल-पीला

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भारत और अमेरिकी सेना इस साल अक्टूबर में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के करीब एक संयुक्त सैन्य अभ्यास करने वाले हैं। इस अभ्यास की खबर से ही चीन को मिर्ची लग गई है। उत्तराखंड के औली में होने वाले अभ्यास में दोनों देशों की सेनाएं अत्याधुनिक हथियारों के साथ युद्धाभ्यास करेंगी। गौरतलब है कि भारत और चीन के बीच रिश्ते पिछले दो साल से खराब चल रहे हैं। उधर, ताइवन से उलझे चीन के इस अभ्यास से मिर्ची लगनी शुरू हो गई है। चीन इसका विरोध भी कर रहा है। 10 हजार फीट की ऊंचाई पर होने वाला युद्धाभ्यास का इलाका एलएसी से महज 95 किलोमीटर दूर है। ताइवान के साथ तनातनी में उलझा चीन खबर के बाद से भड़का हुआ है। लेकिन अमेरिका ने कहा कि हिंद-प्रशांत इलाके में दोनों देशों की एक समान नीति है। हम उसे आगे बढ़ा रहे हैं।

वार्षिक संयुक्त युद्धाभ्यास का यह 18वां सत्र है। अमेरिकी प्रवक्ता ने कहा कि इस तरह के वार्षिक युद्धाभ्यास के जरिए हम अपनी क्षमता को आंकते और बढ़ाते हैं। ताकि क्षेत्रीय चुनौतियों से निपटा जा सके। गलवान घटना के बाद भारत और चीन के बीच तनातनी अभी तक जारी है। एलएसी पर दोनों देशों की सेनाएं बड़ी संख्या में तैनात हैं। भारत चीन की चालाकियों को देखते हुए अब उस कोई मौका नहीं देना चाहता है। दरअसल, चीन के नापाक इरादों के कारण भारत बिल्कुल सतर्क है। भारत का साफ कहना है, कि 2020 में चीन ने यथास्थिति को बदलने की कोशिश की थी। चीन अक्टूबर में होने वाले अभ्यास को लेकर अभी से भड़का हुआ है। लेकिन भारत ने पड़ोसी देश को दो टूक कह दिया है कि यह एक वार्षिक अभ्यास है।

आप नेता सिसोदिया ने भाजपा को 'बच्चा चोर' पार्टी कहा

नई दिल्ली। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने एक बच्चे के कथित अपहरण मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक पार्षद की गिरफ्तारी का दिल्ली विधानसभा में जिक्र कर भाजपा को ''बच्चा चोर'' पार्टी करार दिया। सिसोदिया ने कहा कि झूठी खबर फैलाई गई कि सीबीआई की तलाशी के दौरान उनके लॉकर से संपत्ति के कागजात मिले थे। सिसोदिया ने कहा, हमने विपक्ष के सभी सवालों का जवाब दिया है। हम उनके झूठ का जवाब नहीं दे सकते। सीबीआई को लॉकर में मेरे बेटे के 'झुनझुना' (एक खिलौना) सहित केवल 70,000 रुपये से 80,000 रुपये का सामान मिला है। सिसोदिया ने सदन में विपक्षी विधायकों के हंगामे के बीच यह बात कही।

सिसोदिया और उनकी पत्नी उस समय मौजूद थे, जब सीबीआई की चार सदस्यीय टीम ने वसुंधरा, गाजियाबाद में पंजाब नेशनल बैंक की शाखा में उनके लॉकर की तलाशी ली थी। आप नेता दिल्ली सरकार की आबकारी नीति 2021-22 के कार्यान्वयन में कथित अनियमितताओं के संबंध में एजेंसी द्वारा दर्ज प्राथमिकी में नामित 15 लोगों और संस्थाओं में शामिल हैं। वहीं हंगामा जारी रहने के बीच विधानसभा उपाध्यक्ष राखी बिड़ला ने विपक्ष के नेता रामवीर सिंह बिधूड़ी को छोड़कर भाजपा के सभी विधायकों को मार्शल की मदद से सदन से बाहर भेज दिया। बाद में बिधूड़ी ने भी विरोध में सदन से बहिर्गमन किया।

कंट्रोल रूम को दी धमकी-'गणेश चतुर्थी' पर करेंगे 26/11 जैसा अटैक

-धमकी के बाद मुंबई पुलिस ने बढ़ाई सतर्कता, लोगों से कहा डरने की जरूरत नहीं

मुंबई (एजेंसी)।

आर्थिक राजधानी मुंबई में इस साल गणेश चतुर्थी पर लोगों में काफी उत्साह है। 2 साल बाद यह पर्व बिना पाबंदियों के मनाया जाएगा। मुंबई पुलिस अलर्ट मोड में है। मुंबई ट्रैफिक कंट्रोल रूम में एक कॉल आई है, जिसमें धमकी दी गई है कि गणेश चतुर्थी को मुंबई में 26/11 जैसा आतंकी हमला करेंगे। इसके बाद मुंबई में पुलिस को अलर्ट कर दिया गया है। ज?वॉइंट सीपी (लॉ एंड ऑर्डर) विश्वास नांगरे पाटिल ने बताया कि मुंबई पुलिस सतर्क है। उन्होंने कहा कि जो इस दौरान भीड़ नियंत्रण, ट्रैफिक मॉनिटरिंग और किसी प्राकृतिक आपदा से मुकाबला करने के लिए जरूरी सभी तैयारियां पूरी हो चुकी है। ऐसी स्थिति में घबराने की कोई जरूरत नहीं है।

31 तारीख़ से शुरू होने जा रहे गणेश चतुर्थी के पर्व से 1 दिन पहले पुलिस कमिश्?नर विवेक फणसलकर और ज?वॉइंट सीपी (लॉ एंड ऑर्डर) विश्वास नांगरे पाटिल मुंबई के प्रसिद्ध लालबाग के राजा के पास पहुंचे और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। विश्वास नांगरे पाटिल ने कहा है कि अफवाहों पर भरोसा न करे। 80 फीसदी पुलिस को तैनात किया गया है। इसके अलावा एसआरपीएफ की 18 कंपनियां, क्यूआरटी की 700 टीमें लगाई गई हैं। भारी संख्या में पुलिसबल गणपति उत्सव के लिए पूरी तरह तैयार रहेगा। गणपति पंडाल के साथ-साथ मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर के बाहर भी भारी पुलिस बंदोबस्त पूरे गणेश उत्सव के दौरान होगा, जहां पुलिस की निगरानी पूरे गणेश उत्सव में बनी रहेगी। क?योंकि गणेश उत्सव के दौरान भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर का बयान, 'सीमा की स्थिति' भारत-चीन के आगे के संबंधों को तय करेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को कहा कि 'सीमा की स्थिति' भारत और चीन के बीच आगे के संबंधों को तय करेगी। साथ ही उन्होंने जोर दिया कि संबंध पारस्परिक संवेदनशीलता, पारस्परिक सम्मान और पारस्परिक हित पर आधारित होने चाहिए। पूर्वी लद्दाख में टकराव वाले कई बिंदुओं पर दोनों देशों में जारी सैन्य गतिरोध के बीच विदेश मंत्री की यह टिप्पणी आई है।

'एशिया सोसायटी पॉलिसी इंस्टीट्यूट' की शुरूआत के अवसर पर एक समरोह को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि एशिया का भविष्य काफी हद तक इस बात पर निर्भर करता है कि निकट भविष्य में भारत और चीन के बीच संबंध कैसे विकसित होते हैं। उन्होंने कहा, ''सकारात्मक पथ पर लौटने और टिकाऊ बने रहने के लिए संबंधों को तीन चीजों पर आधारित होना चाहिए - पारस्परिक संवेदनशीलता, पारस्परिक सम्मान और पारस्परिक हित।'' विदेश मंत्री ने कहा, ''उनकी वर्तमान स्थिति, निश्चित रूप से आप सभी को अच्छी तरह से पता है। मैं केवल यह दोहरा सकता हूं कि सीमा की स्थिति आगे संबंधों को तय करेगी।''

भारतीय और चीनी सैनिकों का पूर्वी लद्दाख में दो साल से ज्यादा समय से टकराव वाले कई स्थानों पर गतिरोध बना हुआ है। उच्च स्तरीय सैन्य वार्ता के परिणामस्वरूप दोनों पक्ष क्षेत्र के कई क्षेत्रों से पीछे हटे हैं। हालांकि, दोनों पक्षों को टकराव वाले शेष बिंदुओं पर जारी गतिरोध को दूर करने में कोई सफलता नहीं मिली है। उच्च स्तरीय सैन्य वार्ता का अंतिम दौर पिछले महीने हुआ था लेकिन गतिरोध दूर करने में कामयाबी नहीं मिली। एशिया के लिए समग्र दृष्टिकोण पर जयशंकर ने कहा कि एक 'एशियाई वर्चस्ववाद' का संकीर्ण नजरिया दरअसल महाद्वीप के अपने हित के खिलाफ है। उन्होंने कहा, ''निश्चित रूप से एशिया इतना ऊर्जावान और रचनात्मक है कि वह अन्य क्षेत्रों के खुले दरवाजों से लाभ उठाना चाहेगा। यह स्पष्ट रूप से एकतरफा रास्ता नहीं हो सकता है।'' विदेश मंत्री चीन की नीतियों का परोक्ष रूप से हवाला देते हुए कहा, ''ऐसा दृष्टिकोण वैश्वीकरण की भावना के खिलाफ भी है। चाहे वह संसाधन, बाजार या आपूर्ति श्रृंखला हो, इन्हें अब विभाजित नहीं किया जा सकता है।''

जयशंकर ने यह भी कहा, ''एशिया की संभावनाएं और चुनौतियां आज काफी हद तक हिंद-प्रशांत क्षेत्र के विकास पर निर्भर हैं। वास्तव में, अवधारणा ही विभाजित एशिया का प्रतिबिंब है, क्योंकि कुछ का इस क्षेत्र को कम एकजुट और संवादात्मक बनाए रखने में निहित स्वार्थ है।'' उन्होंने कहा, ''वैश्विक हितों के लिए और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को क्वाड जैसे सहयोगी प्रयासों से बेहतर सेवा मिलती है, जाहिर तौर पर जिसके प्रति उनका उदासीन रूख है।'' क्वाड में भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान शामिल हैं। चीन इस समूह को लगातार संदेह की नजर से देखता है और कई बार इसके खिलाफ मुखर टिप्पणी कर चुका है। विदेश मंत्री ने कहा कि एशिया में बुनियादी रणनीतिक सहमति भी विकसित करना स्पष्ट रूप से एक ''कठिन कार्य'' है।

वरिष्ठ नेता कांग्रेस छोड़ रहे हैं क्योंकि वह 'पारिवारिक पार्टी' बन गयी है : नड्डा

गुवाहाटी (एजेंसी)।

भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस से 40-50 वर्ष से जुड़े वरिष्ठ नेता पार्टी छोड़कर जा रहे हैं क्योंकि वह एक ''पारिवारिक पार्टी'' बन गयी है। नड्डा ने दावा किया कि देश की सबसे पुरानी पार्टी कमजोर हो रही है क्योंकि उसने क्षेत्रीय आकांक्षाओं को राष्ट्रीय आकांक्षाओं तथा प्रतिबद्धताओं से नहीं जोड़ा है। कांग्रेस से इस्तीफा देने वाले गुलाम नबी आजादी का नाम लिए बगैर नड्डा ने कहा, ''40-50 साल से जुड़े वरिष्ठ नेता पार्टी छोड़ रहे हैं। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि उन्हें पता चल गया है कि कांग्रेस न तो अब एक राष्ट्रीय पार्टी है और न ही क्षेत्रीय पार्टी है।

यह एक पारिवारिक पार्टी बन गयी है।'' उन्होंने कई क्षेत्रीय पार्टियों के नाम गिनाए और दावा किया कि ये भी ''पारिवारिक पार्टियां'' बन गयी हैं। भाजपा अध्यक्ष ने कहा, ''भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस एक बड़ी पार्टी थी लेकिन अब वह कमजोर हो रही है क्योंकि उसने क्षेत्रीय आकांक्षाओं का राष्ट्रीय आकांक्षाओं तथा प्रतिबद्धताओं से तालमेल नहीं बिठाया।'' उन्होंने कई राज्यों के उदाहरण दिए, जहां कांग्रेस ने दशकों तक शासन किया लेकिन अब उसकी वहां मजबूत मौजूदगी नहीं है। नड्डा ने यहां भाजपा के पूर्वोत्तर कार्यालय का उद्घाटन करते हुए पार्टी के कार्यकर्ताओं से कहा, ''भाजपा को कोई परिवार नहीं चलाता है, यह विचारधारा पर चलती है।

इसलिए कोई उसे रोक नहीं सकता है।'' भाजपा के इस कार्यालय का पुनर्निर्माण कराया गया है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का नाम लिए बगैर सवाल किया कि उन्होंने 10 साल तक असम से सांसद रहने के बावजूद राज्य के लिए क्या किया और कितनी बार राज्य का दौरा किया। उनके अलावा असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा, मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बिरेन सिंह तथा त्रिपुरा के उनके समकक्ष माणिक साहा भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। इससे पहले दिन में, नड्डा के त्रिपुरा से यहां गोपीनाथ बोरदोलोई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने पर मुख्यमंत्री शर्मा और अन्य वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने उनका स्वागत किया। नड्डा ने गुवाहाटी में नीलाचल पहाड़ी के ऊपर स्थित शक्ति पीठ मंदिर में देवी कामाख्या की पूजा अर्चना कर उनसे आशीर्वाद लिया और अपने दौरे की शुरुआत की।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत के वराछा में अपने चैंबर में वकील की पिटाई के मामले में एसीपी आरोपी को कोर्ट ने समन जारी किया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के वराछा पुलिस स्टेशन में एसीपी के पद पर कार्यरत। कोर्ट की ओर से के पटेल के खिलाफ समन जारी किया गया है। 13 अप्रैल 2021 को आरटीआई की सुनवाई के दौरान वकील ने आरोप लगाया कि वकील को उसके चैंबर में पीटा गया.

मयूर कुकड़िया नाम के एक व्यक्तिको कापोदरा पुलिस थाने में अपने अधिकार का उल्लंघन करने के लिए समन द्वारा पीट-पीट कर मार डाला गया था। जिसके बारे में अधिवक्ता और कार्यकर्ता रजनी पंचानी ने एक आरटीआई दायर की थी।

वराछा थाने में आरटीआई सुनवाई की तिथि 13-4-2021 थी. एडवोकेट सी. के. पटेल के चैंबर में जाने पर उनकी पिटाई की गई। इस संबंध में कोर्ट की ओर से एसीपी के खिलाफ अवैध रूप से हिरासत में लेने, मारपीट करने, ड्यूटी से ऊपर और बाहर जाने जैसे धाराओं के साथ समन जारी किया गया है.

एसीपी के खिलाफ कोर्ट ने जारी की प्रक्रिया एडवोकेट रजनी पंचानी ने कहा कि जब मैं एसीपी सीके पटेल के चैंबर में गया तो मैंने उन्हें बहुत सम्मान दिखाया और बैठने को कहा, लेकिन उन्होंने साफ तौर पर कहा कि कोरोना के चलते दूर रहें. सुनवाई खत्म होने के बाद मैंने उसे रोज काम का सिक्का फोड़ने को कहा,

वह नाराज हो गया और मुझे चेंबर में पीटने लगा. इस मामले में जो गवाह थे, उन्होंने यह भी देखा कि एसीपी का व्यवहार कैसा था।

सूरत पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की, हमने अदालत में शिकायत दर्ज की और नामदार अदालत ने हमारी शिकायत को स्वीकार कर एसीपी को आरोपी बना दिया और उसके खिलाफ समन भी भेजा गया.

अंदरूनी कलह में मस्जिद पर किसी के पथराव से सांप्रदायिक भड़क उठा, आरोपित यश कहार भाजपा युवा मोर्चा शहर के कार्यकारी सदस्य हैं

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

वडोदरा शहर में पानीगेट चार रोड के पास पिछले सोमवार देर रात गणेश अगमन के जुलूस के दौरान एक मस्जिद पर पथराव के साथ सांप्रदायिक बवाल हो गया। इस घटना में पुलिस ने 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। हालांकि, दो मुख्य आरोपी भाई यश कहार और चार्मिस कहार अभी भी फरार हैं। यश कहार भाजपा युवा मोर्चा शहर के कार्यकारी सदस्य हैं।

गणेश मंडल के पंडाल ने किया बंद आयुर्वेदिक 3 रोड के पास गणेश मंडल पहुंची। हालांकि, गणेश मंडल का पंडाल बंद था और वहां आसपास दिखाई नहीं दे रहा था। आयुर्वेदिक युवक मंडल के यश कहार और चार्मिस कहार के होर्डिंग्स लगे नजर आए। गणेशोत्सव का आयोजन पहली बार एक आयुर्वेदिक युवा मंडल द्वारा किया गया था, और एक आंतरिक विवाद के कारण सांप्रदायिक भड़क उठे थे, जब किसी ने मस्जिद पर पथराव किया था। यह भी पता चला है कि यह कोई पूर्व नियोजित साजिश नहीं है।

सीसीटीवी से शुरूहुई आरोपियों की शिनाख्त सिटी थाना के पीआई के.एन. लाठिया ने बताया कि कल हुई पथराव की घटना में 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है. घर से दो भाई चारमिस कहार और यश कहार समेत 6 आरोपित फरार हो गए हैं। सीसीटीवी की मदद से कुछ अज्ञात आरोपियों की भी पहचान की जा रही है. फिलहाल पानीघाट इलाके में शांति है। इन लोगों ने पहली बार गणेशोत्सव का आयोजन किया। उन लोगों के अंदरूनी कलह जारी रही। उनमें से एक ने मस्जिद पर पत्थर फेंका। इससे हंगामा मच गया। उन्होंने चीनी लॉरी में तोड़फोड़ की और कार की खिड़की तोड़ दी। कोई घायल हो गया। फिलहाल पानीघाट इलाके में पुलिस के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं।

क्या था पूरी घटना

वडोदरा के पानीगेट रोड से वाघोड़िया रोड आयुर्वेदिक श्री रोड तक श्रीजी की देर रात की सवारी के दौरान कुछ असामाजिक तत्व शांति से भागे। मारपीट को लेकर दोनों कॉमरेडों के बीच भगदड़ मच गई। उपद्रवी भीड़ ने पानीगेट गेट के पास मस्जिद की खिड़कियां और सड़क पर खड़ी कारों के शीशे तोड़ दिए. इसके अलावा एक से अधिक लॉरी पलट गई। इस घटना में पुलिस ने देर रात 13 दंगाइयों को गिरफ्तार किया. इस बीच शहर थाने में 30 लोगों की भीड़ के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई की गयी है. देर रात हुई इस घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें भाग-दौड़ और पथराव के दृश्य दिखाई दे रहे हैं.

श्रीजी की सवारी के दौरान पथराव किया गया। गणेशोत्सव कल 31 अगस्त से शुरूहो रहा है। वड़ोदरा शहर के बड़े-बड़े गणेश मंडलों द्वारा श्रीजी को विभिन्न तैयार पंडालों में ले जाया जा रहा है. देर रात श्रीजी वाघोड़िया रोड आयुर्वेदिक श्री रोड के पास गणेश युवक मंडल होते हुए वजते-गजते पंडाल की ओर आ रहे थे। इस बीच, बहुत सहानुभूति रखने वाली मनाता पानीघाट गेट के पास अचानक शांत हो गई। अचानक एक पत्थर फेंका गया तो श्रीजी की सवारी में लोगों में हड़कंप मच गया। पानीगेट गेट के पास मस्जिद पर कुछ बदमाशों ने पथराव किया और शीशे तोड़ दिए। साथ ही सड़क पर खड़ी कारों के शीशे भी तोड़ दिए। साथ ही सड़क पर खड़े खाद्य ट्रक भी पलट गए। देर रात पानीगेट गेट के पास हुई इस घटना के बाद आला पुलिस अधिकारी के साथ-साथ शहर व पानीगेट थाने के कर्मचारी मौके पर पहुंचे. इसके साथ ही क्राइम ब्रांच समेत पुलिस अधिकारी व एजेंसियों के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और शांति भंग करने वाले तत्वों पर काबू पाकर मामले को काबू किया. इस घटना के बाद भीड़ भी सड़क पर पहुंच गई और पुलिस अधिकारियों को ज्ञापन दिया। हालांकि, स्थिति के हिंसक होने से पहले ही पुलिस ने घटना को दबा दिया और बल प्रयोग कर भीड़ को तितर-बितर कर दिया।

बिना बच्चा दिए 11 साल से गाय हर दिन दे रही 6 लीटर दूध, लोगों में कौतूहल का विषय

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सुरेन्द्रनगर,जिले के भोयका गांव स्थित रामदेवपीर में एक गाय है जो बिना बच्चा दिए पिछले 11 साल से हर दिन 6 लीटर दूध दे रही है। यह गाय सुबह 3 लीटर और शाम को 3 लीटर दूध प्रति दिन देती है। यह गाय लोगों में कौतूहल का विषय बनी हुई है। बताया जाता है कि आज से 11 साल पहले तीन साल की बछिया रामदेवपीर मंदिर को दान में मिली थी। मंदिर को दान मिली बछिया बिना किसी बच्चे को जन्म दिए लगातार 11 साल से दिन दो बार दूध देती है। इस गाय को कभी भी दुहा जा सकता है, जो किसी चमत्कार से कम नहीं है। रामदेवपीर मंदिर की इस गाय का नाम 'जकल' रखा गया है और उसकी देखभाल पिछले 11 साल से जेसिंगभाई तळशीभाई बलोलिया कर रहे हैं। इस गाय का दूध बेचा नहीं जाता बल्कि, उससे चाय बनाकर मंदिर में आने वाले भक्तों को पिलाई जाती है। बचे हुए दूध को गांव में मुफ्त बांट दिया जाता है। गाय के दूध से बने घी का उपयोग भी अखंड ज्योति और प्रसाद में किया जाता है। बिना बच्चा दिए गाय के दूध के बारे में पशु चिकित्सक डॉ. संदीप पटेल ने बताया कि कभी कभी होरमोन्स के चलते इस प्रकार की बातें प्रकाश में आती हैं।

निद्राधीन परिवार को जिंदा जलाने का प्रयास, तीन लोग गंभीर रूप से झुलसे

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

कच्छ के खंभरा गांव में किसी अज्ञात शख्स ने एक घर में आग लगाकर पूरे परिवार को जिंदा जलाने का प्रयास किया। इस घटना में महिला समेत उसके बेटे गंभीर रूप से झुलस गए, जिनका भुज के जीके जनरल अस्पताल में उपचार चल रहा है। परिवार के मुखिया ने घटना में पुरानी रंजिश की आशंका जताते हुए बहु के पिता-पुत्र के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है। जानकारी के मुताबिक कच्छ जिले की अंजार तहसील के खंभरा गांव में प्रेमजी शामजी मोखरे पत्नी लखीबेन, दो पुत्र 27 वर्षीय विनोद और 22 वर्षीय दिनेश के साथ रहते हैं। बीती रात घर में अचानक आग लगने से चीख-पुकार मच गई। घर का दरवाजा और सोफा धू धू कर जलने लगे। आग लगने से विनोद चीखने-चिल्लाने लगा। बेटे की आवाज सुनकर उसके पिता समेत आसपास के लोग जाग उठे और आग पर काबू पाया। हांलाकि तब तक लखीबेन और उसके दो बेटे आग से गंभीर रूप से झुलस गए थे।

आरटीई के तहत प्रवेश पाने वाले विद्यार्थी के साथ भेदभाव का अभिभावक ने लगाया आरोप

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

शहर के पूर्वी क्षेत्र की एक स्कूल में राइट टू एज्यूकेशन (आरटीई) के तहत प्रवेश पाने वाले विद्यार्थी के साथ भेदभाव किए जाने की घटना सामने आई है। विद्यार्थी के अभिभावक ने यह आरोप लगाते हुए स्कूल के प्रिन्सिपल को लिखित में शिकायत करते हुए अनुरोध किया है कि अगर कोई समस्या है तो मुझे बताइये, लेकिन मेरे बेटे को परेशान ना करें। घटना पूर्वी अहमदाबाद के वस्त्राल क्षेत्र स्थित एकलव्य स्कूल की है। आरटीई के तहत प्रीन्स को कक्षा 3 में प्रवेश मिला था। प्रीन्स के पिता घनश्यामभाई का आरोप है कि उनके बेटे के साथ भेदभाव किया जा रहा है। चालू कक्षा में उसे पेशान करने के लिए जाने नहीं दिया जाता। प्रीन्स को लेशन डायरी भी नहीं दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके बेटे को आरटीई के तहत स्कूल में प्रवेश मिला है, इसके लिए उसके साथ भेदभाव किया जाता है। इस संदर्भ में घनश्यामभाई ने एकलव्य स्कूल के प्रिन्सिपल को लिखित में शिकायत की थी। जिसमें घनश्यामभाई ने लिखा कि उनका बेटा बीमार नहीं है, लेकिन पेशाब लगने पर वह रोक नहीं पाता। शिक्षक से जब पेशाब करने की अनुमति मांगने के बावजूद उसे बाथरूम जाने नहीं दिया जाता। इस शिकायत को लेकर स्कूल के प्रिन्सिपल की ओर से कोई जवाब नहीं दिया गया। घनश्यामभाई कहना है कि इससे पहले स्कूल ने एक हजार रूपए मांगे थे, जिसे नहीं देने के बाद स्कूल से विवाद हुआ था। संभवतः उसी बात का गुस्सा स्कूल प्रबंधन मेरे बेटे पर उतार रहा है? इस संदर्भ में मैंने स्कूल जाकर प्रिन्सिपल से प्रत्यक्ष और लिखित में शिकायत भी की। लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। आरटीई के तहत प्रीन्स को स्कूल में प्रवेश मिला है,